शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 30 | गुवाहाटी | सोमवार, 31 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच 11 करार, पांच बड़ी घोषणाएं — पेज 2
मणिपुर के मुख्यमंत्री ने लोगों से बंद से बचने की अपील की और अपनी मांगों... — पेज 3
पंजाब सरकार से टकराव बढ़ा, कर्मचारियों ने सामूहिक अवकाश का किया एलान — पेज 5
मैदान बदले, मंजिल नहीं... : अनाहत-मनिका से श्वेता-सिमरन तक, बेटियों ने खेलों ... — पेज 7

राशन कार्डधारक परिवारों को बड़ी राहत

35 में चीनी और 70 रुपए में मसूर दाल

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कैबिनेट बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राशन कार्डधारक परिवारों के लिए सस्ती दरों पर चीनी और दाल उपलब्ध कराने समेत कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने बताया कि लाभार्थियों को 35 रुपए प्रति किलो चीनी और 70 रुपए प्रति किलो मसूर दाल उपलब्ध कराई जाएगी। कहा कि शिवसागर और चराइदेव जिलों के अरुणोदय योजना के लाभार्थियों को इस महीने 2,000 रुपए, जबकि अन्य जिलों के लाभार्थियों को 1,200 रुपए मिलेंगे। अरुणोदय योजना की राशि 10 सितंबर को लाभार्थियों के खातों में भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 सितंबर को ऊपरी असम के चार बाढ़ प्रभावित जिलों के परिवारों को 15,000 रुपए की पहली किस्त जारी की जाएगी। जिन परिवारों को अब तक राहत राशि नहीं मिली है, उन्हें भी यह सहायता दी जाएगी। कहा कि एक सितंबर से जीवन प्रेरणा योजना फिर से शुरू होगी और सीएस-फ्लाइट योजना की पहली किस्त की राशि भी जारी की जाएगी। नेपाल में लापता असम के लोगों के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आठ लोगों का पता लगा लिया गया है। वे शाम 5 बजे भारत-नेपाल सीमा में प्रवेश करेंगे और उन्हें काठमांडू से विमान के जरिए वापस लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी विश्वविद्यालय के विभिन्न बुनियादी ढांचा विकास कार्यों के लिए 250 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। इसके तहत पहले चरण में 109 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि विश्वविद्यालय में जी+5 शैक्षणिक भवन, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जी+4 छात्रावास, छात्रों के लिए छात्रावास और स्टाफ क्वार्टर सहित कई सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं का उद्घाटन 7 सितंबर को उपराष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा।

विजन 2047 : असम कैबिनेट ने 50 हजार करोड़ रुपए के निवेश को मंजूरी दी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि असम 2027-28 से अपनी 50,000 करोड़ रुपए की *विजन 2047* पूंजी निवेश योजना शुरू करेगा, जिसके तहत परियोजनाओं को सात वर्षों में पूरा किया जाना निर्धारित है। असम मंत्रिमंडल ने राज्य भर में विभिन्न पूंजी-गहन परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 50,000 करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री शर्मा ने लोक सेवा भवन में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद प्रेस को बताया कि यह धनराशि राज्य के अपने संसाधनों से जुटाई जाएगी, साथ ही नाबार्ड और विभिन्न केंद्र सरकार की योजनाओं से अतिरिक्त सहायता मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि पूंजी-गहन परियोजनाएं, जो 2027-28 में शुरू होंगी, उन्हें पूरा होने में सात साल लगेंगे। इस पैकेज का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, चाय बागान श्रमिकों के लिए आवास, सड़कों और बिजली नेटवर्क सहित प्रमुख सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा। इसके अलावा, इसमें

राज्य के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं के बाजारों और छात्रावासों की व्यवस्था करना, औद्योगिक संपदाओं को मजबूत करना और बाढ़ रोधी तटबंधों का निर्माण करना भी शामिल होगा। शर्मा द्वारा 15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान पहली बार घोषित किए गए निवेश पैकेज को नाबार्ड ऋण, राज्य के अपने संसाधनों और विभिन्न केंद्रीय सरकारी योजनाओं के तहत अपेक्षित सहायता के संयोजन के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा : 12 साल की बच्ची से दरिंदगी...

हॉस्टल वार्डन को 20 साल की जेल

अगरतला। उत्तरी त्रिपुरा जिले के एक स्कूल की नाबालिग छात्रा के यौन शोषण के मामले में स्थानीय अदालत ने दोषी को कठोर सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस मामले में दोषी हॉस्टल वार्डन को 20 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने इस मामले में शनिवार को फैसला सुनाया। अदालत ने आरोपी को कई धाराओं में दोषी ठहराया। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 376(3) (16 वर्ष से कम उम्र -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में पुलिस-एटीएस से मुठभेड़ चार हथियारबंद लोगों की मौत

ग्वालपाड़ा/शिलांग। असम के ग्वालपाड़ा जिले में हाल ही में एक व्यवसायी की गोली मारकर हत्या करने के मुख्य आरोपी सहित चार संदिग्ध डकैत रविवार को मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तरी गारो हिल्स के अलासन मारक, पैकान द्वितीय ब्लॉक के बबादुल इस्लाम, अगिया बलबाला के कलाम शेख और दूधनै के चोटोमाटिया के सुस्तम रभा उर्फ कल्तू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि यह समूह कथित तौर पर असम-मेघालय सीमा पर डकैती सहित कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल था। पूर्वी गारो हिल्स के पुलिस अधीक्षक स्वप्निल पवार वसंतराव -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सुख और दुःख में समान रूप से सहायक होना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

मणिपुर में फिर हिंसा

नोनी में उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी, एक की मौत और छह घायल, थौबल में ग्रेनेड धमाका

इंफाल। मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नोनी जिले में एक सशस्त्र संगठन के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में एक उग्रवादी की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। वहीं, थौबल जिले में एक तेल पंप के भीतर ग्रेनेड फेंके जाने से धमाका हुआ, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार तड़के नोनी जिले में जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-कामसन (जेडयूएफ-के) और जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-जेंचुई (जेडयूएफ-जे) के कैडरों के बीच टकराव हुआ। इस दौरान दोनों पक्षों में गोलीबारी हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने मृतक की पहचान 37 वर्षीय जांगैलिंग गोनमेई के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, घायलों में से पांच को इंफाल स्थित जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया -शेष पृष्ठ दो पर

असम पुलिस ने 2021 से जब्त किए 3,253 करोड़ के ड्रग्स, 26,500 से ज्यादा गिरफ्तार : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि 2021 से पूरे राज्य में अबतक 26,500 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 3,253 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। शर्मा ने कहा कि भारी मात्रा में मादक पदार्थ म्यांमा से आते हैं और मिजोरम एवं मणिपुर के अलग-अलग रास्तों से होते हुए असम में दाखिल होते हैं, ताकि उन्हें भारत के बाकी हिस्सों में आगे वितरित किया जा सके। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वर्ष 2021 से, हमारे मिशन 'मादक पदार्थ के खिलाफ असम' पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करते हुए, हमारी पुलिस और सहयोगी एजेंसियों ने मादक पदार्थों के व्यापार के खिलाफ लगातार और रोजाना लड़ाई लड़ी है। आंकड़े अपनी कहानी खुद बयां करते हैं, (क्योंकि) इस अभियान के शुरू होने के बाद से 3,253 करोड़ रुपए से ज्यादा मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं और 26,500 से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरफ्तारियों की संख्या 2021 में 4,175 से बढ़कर 2025 में 4,901 हो गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कोई एक बार चलाया गया अभियान नहीं, बल्कि मादक पदार्थों के खिलाफ *लगातार और संस्थागत लड़ाई* है। असम में भाजपा के लगातार दूसरी बार सत्ता में आने के बाद, -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सवाल पूछना विद्रोह नहीं : जस्टिस उज्जल भुइयां

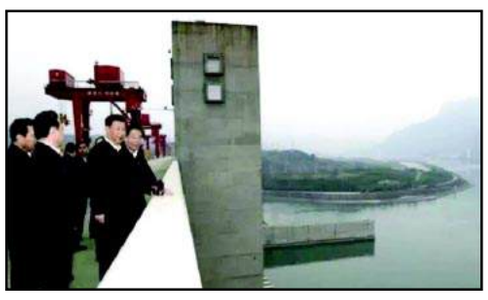

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने रविवार को कहा कि अलग राय रखने या सवाल पूछने वाले छात्रों को दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती। ऐसा करना असांविधानिक और सत्ता का दुरुपयोग है। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां *स्थापित धारणाओं* -शेष पृष्ठ दो पर

धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन इंसानियत एक है : भागवत

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को न्यूयॉर्क में आयोजित वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी धर्मगुरुओं के सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग धर्मों के बीच एकता, शांति और आपसी सद्भाव की जरूरत पर जोर दिया। कई धर्मगुरुओं की मौजूदगी में भागवत ने कहा कि आज धर्म को काफी हद तक उसके रीति-रिवाजों और धार्मिक प्रक्रियाओं -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल मेस्सी विवाद

33 हजार दर्शकों को वापस मिलेंगे टिकट के पैसे : सीएम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर लियोनेल मेस्सी से जुड़े विवाद को लेकर एक बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 में कोलकाता के युवा भारती स्टेडियम में कार्यक्रम के लिए टिकट खरीदने वाले 33 हजार प्रशंसकों को उनके टिकट का पैसा वापस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य के खेल बजट से राशि उपलब्ध कराई जाएगी इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दरअसल -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रह्मपुत्र पर चीन बना रहा खतरनाक पानी का बम

बीजिंग। चीन तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक का निर्माण कर रहा है। यह विशाल बांध भारत की सीमा के बेहद करीब बन रहा है और इसकी क्षमता चीन के मौजूदा थ्री गॉर्जेस डैम से भी कहीं ज्यादा बताई जा रही है। लेकिन अब इस परियोजना को लेकर सबसे गंभीर सवाल भूगर्भीय सुरक्षा और भूकंप के खतरे को लेकर उठ रहे हैं। ब्रह्मपुत्र को तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो के नाम से जाना जाता है। चीन जिस स्थान पर यह परियोजना बना रहा है, वहां नदी एक विशाल मोड़ लेकर दुनिया की सबसे गहरी और लंबी घाटियों में से एक से गुजरती है और फिर भारत में प्रवेश करती है। इस परियोजना को लेकर चिंता सिर्फ भारत या दूसरे देशों की ओर से नहीं आई है। चीन से जुड़े एक चीनी भाषा के वैज्ञानिक जर्नल में प्रकाशित हालिया शोध में निर्माण क्षेत्र की -शेष पृष्ठ दो पर

उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान से नवाजे गए पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को उज्बेकिस्तान के प्रतिष्ठित सम्मान *ओली दराजाली दोस्तलिक* से नवाजा गया। उन्होंने यह सम्मान भारत और उज्बेकिस्तान के बीच *स्थायी* संबंधों को समर्पित किया। मोदी व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा और संपर्क समेत कई क्षेत्रों में संबंध मजबूत करने के लिए उज्बेकिस्तान के दो दिवसीय दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री को यह सम्मान उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने प्रदान किया। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि ओली दराजाली दोस्तलिक सम्मान प्राप्त कर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मैं यह सम्मान भारत और उज्बेकिस्तान के बीच स्थायी संबंधों को समर्पित करता हूं। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारत के लोग इस सम्मान के नाम में प्रयुक्त शब्द *दोस्तलिक* से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने कहा कि भारत में शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा, जहां दोस्तलिक शब्द दिन में सौ बार न बोला जाता हो। आज आपने वास्तव में इस शब्द के सार को सामने ला दिया है। दोस्तलिक का अर्थ मित्रता है। यह शब्द अपने आप में भारत और उज्बेकिस्तान के संबंधों के केंद्र में मौजूद भावना को खूबसूरती से व्यक्त करता है। मोदी ने कहा कि यह सम्मान प्राप्त करना उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि सभी भारतीयों की ओर से, मैं उज्बेकिस्तान की जनता, सरकार और अपने प्रिय मित्र राष्ट्रपति का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस सर्वोच्च सम्मान को बहुत विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं और -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल त्रासदी में अब तक 781 लोगों की मौत 2500 से ज्यादा लापता, मात्र 22 की हुई पहचान

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल के भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई बाढ़ में 781 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। इनमें से केवल 22 की पहचान हो सकी है। नेपाल पुलिस के अनुसार, शवों की पहचान में आ रही मुश्किलों के कारण शवों के प्रबंधन की स्थिति जटिल हो गई है। अस्पतालों में शव रखने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण सरकार ने उन्हें *एयरटाइट बैग* में रखकर जमीन के नीचे दफनाना शुरू कर दिया है। देवघाट के पास जंगल क्षेत्र में जगह की

व्यवस्था कर यह प्रक्रिया शुरू की गई है। शवों की पहचान के लिए पुलिस ने एक पोर्टल तैयार किया है। इसमें शवों की तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हैं। पुलिस प्रवक्ता अविनारायण काफ्ले ने बताया कि पहचान किए गए 22 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। प्रवक्ता काफ्ले के अनुसार, बहुत कम शवों की पहचान हो पाने के कारण अब डीएनए परीक्षण के जरिए पहचान सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच 11 करार, पांच बड़ी घोषणाएं

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने रणनीतिक संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के नेताओं के बीच रविवार को हुई वार्ता के बाद 11 करार हुए हैं और पांच प्रमुख घोषणाएं की गई हैं। इसके अलावा दोनों देश साल 2030 तक अपने व्यापार को एक अरब डॉलर से 5 अरब डॉलर तक ले जाने पर सहमत हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और उज्बेकिस्तान के नेशनल इंटरबैंक प्रोसेसिंग सेंटर जेएससी के बीच वाणिज्यिक समझौता हुआ है। इसके तहत भारत के यूपीआई ऐप उपयोगकर्ता उज्बेकिस्तान में व्यापारिक भुगतान के लिए राष्ट्रीय क्यूआर कोड यूजेडक्यूआर को स्कैन कर सकेंगे। मंत्रालय के अनुसार भारत ने अरल सागर (मध्य एशिया में कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के बीच स्थित एक बंद खारे पानी की झील) क्षेत्र में वनीकरण के लिए 10 लाख अमेरिकी डॉलर की सहायता देने की घोषणा की। इसके अलावा हिंदी भाषा के अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए लाल बहादुर शास्त्री हिंदी भाषा छात्रवृत्ति के तहत 100 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। वहीं, ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में आईसीसीआर संस्कृत चेयर स्थापित की जाएगी। भारत और उज्बेकिस्तान ने वर्ष 2026-30 के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर सहमति जताई। इसके तहत तेरमेज में स्थित प्राचीन बौद्ध स्थलों फयाज तेपा और करा तेपा के संरक्षण एवं पुनर्स्थापना के लिए विदेश मंत्रालय और उज्बेकिस्तान की सांस्कृतिक विरासत एजेंसी के बीच आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों के राष्ट्रीय अभिलेखागार के बीच अभिलेखीय कार्य के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन हुआ। आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों, भूविज्ञान एवं खनिज संसाधनों तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी सहयोग समझौते किए गए। पर्यटन के क्षेत्र में 2026-28 के लिए साझेदारी कार्यक्रम तय किया गया। विदेश सेवा प्रशिक्षण के लिए सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान और उज्बेकिस्तान की राजनयिक अकादमी के बीच समझौता हुआ। दोनों देशों के वित्त मंत्रालयों ने आर्थिक एवं वित्तीय संवाद स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन किया।

मार्च 2027 से देश की सभी संस्थाओं में आईएसटी का पालन करना अनिवार्य, सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली। अगले साल मार्च से भारत में सभी संस्थाओं को कानूनी, कमर्शियल, डिजिटल और प्रशासनिक कामों के लिए इंडियन स्टैंडर्ड टाइम (आईएसटी) का इस्तेमाल करना होगा। सरकार ने शनिवार को लीगल मेट्रोलॉजी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) रूल्स, 2026 की घोषणा की। लीगल मेट्रोलॉजी एक्ट के तहत घोषित ये नियम गजट में छपने के 180 दिन बाद लागू होंगे, जिससे मार्च 2027 के आसपास से आईएसटी अनिवार्य हो जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने पर एक्ट के तहत जुर्माना लगाया जाएगा। यह नोटिफिकेशन सभी कानूनी, प्रशासनिक और आधिकारिक दस्तावेजों के लिए आईएसटी को अनिवार्य टाइम रेफरेंस बनाता है, जब तक कि विशेष रूप से छूट न दी गई हो। यह कॉमर्स, ट्रांसपोर्ट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, कानूनी कॉन्ट्रैक्ट और फाइनेंशियल कामकाज में भी आईएसटी को स्टैंडर्ड टाइम रेफरेंस बनाता है। सरकारी कामों के लिए आईएसटी के अलावा किसी और समय के संदर्भ का इस्तेमाल उसे दिखाना या रिकॉर्ड करना मना होगा। हालांकि, विदेशी टाइम जोन को साफ तौर पर बताने या वैज्ञानिक रिसर्च, नेविगेशन या खगोल विज्ञान के लिए दूसरे टाइम सोर्स की इजाजत होने पर ऐसा किया जा सकता है। ये नियम इसलिए अहम हैं क्योंकि आज का डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर माइक्रोसेकंड-लेवल की टाइमिंग एक्यूरेसी पर निर्भर करता है। पेमेंट सिस्टम, स्टॉक एक्सचेंज, टेलीकॉम नेटवर्क, 5जी सर्विस, डिजिटल नेविगेशन, पावर ग्रिड और डेटा सेंटर को ट्रांजैक्शन को ऑथेंटिकेट करने, ऑपरेशन को कोऑर्डिनेट करने और नेटवर्क की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सिंक्रोनाइज्ड क्लॉक की जरूरत होती है। यह नोटिफिकेशन टाइम सिंक्रोनाइजेशन, ट्रेसेबिलिटी और साइबर सिक्योरिटी के लिए एक देशव्यापी सिस्टम बनाता है और सही समय को एक अहम डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मानता है। इन नियमों की एक और अहम बात साइबर रेजिलिएंस (साइबर हमलों से निपटने और उनसे उबरने की क्षमता) पर जोर देना है। संस्थाओं को सही टाइम-सिंक्रोनाइजेशन सिस्टम लगाने होंगे, नेटवर्क को स्पूफिंग, जैमिंग और साइबर हमलों से बचाना होगा, कई अधिकृत टाइमिंग सोर्स को इंटीग्रेट करना होगा और बिना रुकावट कामकाज जारी रखने के लिए इमरजेंसी सिस्टम (जैसे जरूरत पड़ने पर एटॉमिक क्लॉक) बनाए रखने होंगे।

आग में साड़ी का दुकान जलकर राख लाखों का नुकसान

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के जागीरोड पुलिस थाना क्षेत्र इलाके में आग लगने की वजह से एक साड़ी की दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने रविवार को बताया कि थाना के निकट चारिआली के सुखा मछली के बाजार स्थित मां शारदा साड़ी इंपोरियम में आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर अग्निशमन और पुलिस की टीम पहुंची। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। तब तक दुकान काफी जल चुका था। आजगनी की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त की है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

वशिष्ठ पुलिस का नशा विरोधी अभियान, महिला समेत दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। वशिष्ठ पुलिस ने रविवार को नशे के खिलाफ अभियान चलाकर एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों को वशिष्ठ के नतुन बाजार स्थित एक कमरे से संदिग्ध मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान प्रदीप पाल और जानकी देवी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों कथित रूप से नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल थे। अभियान के दौरान पुलिस ने ड्रग्स के सात पैकेट, करीब 8 किलो गांजा और प्रतिबंधित टैबलेट बरामद किए। मामले की आगे की जांच जारी है। उधर भरलूमुख थाना क्षेत्र इलाके में चोर होने के शक के आधार पर उग्र भीड़ ने एक व्यक्ति की बुरी तरह पिटाई कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को बताया कि एक दुकान से सोना और नगद धन चुराने का आरोप लगाते हुए भीड़ ने उक्त व्यक्ति को बुरी तरह पीटा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने फरीद अली नामक आरोपी को बरामद कर इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

उत्तरी साइप्रस के तट पर यात्री नौका पलटी सात की मौत, 237 लोगों को बचाया गया

निकोसिया (हि.स.)। उत्तरी साइप्रस के तट के पास रविवार को एक बड़ा समुद्री हादसा हो गया। उत्तरी साइप्रस से तुर्किये जा रही एक यात्री नौका के पलटने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 237 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। लापता 23 लोगों की तलाश में बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया है। तुर्की गणराज्य उत्तरी साइप्रस के प्रधानमंत्री उनाल उस्तेल ने तुर्की मीडिया को बताया कि खराब मौसम के कारण नौका पलट गई। उन्होंने कहा कि बचाए गए किसी भी व्यक्ति की हालत गंभीर नहीं है। तुर्किये के आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, *फिलो जेट* नाम की नौका काइरेनिया से दक्षिणी तुर्किये के तासुकू के लिए रवाना हुई थी। इसमें 259 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। तट से कुछ मील दूर पहुंचने पर अज्ञात परिस्थितियों में नौका में पानी भरने लगा और बाद में वह पलट गई। हादसे के बाद उत्तरी साइप्रस की चार तटरक्षक नौकाओं और एक यात्री जहाज को बचाव कार्य में लगाया गया। इसके अलावा दो तटरक्षक हेलीकॉप्टर भी घटनास्थल पर भेजे गए हैं। घटनास्थल से सामने आए वीडियो में कई लोग पलटी हुई नौका के किनारे और आसपास लाइफ जैकेट पहने पानी में दिखाई दिए। हेलीकॉप्टर भी ऊपर से बचाव अभियान में जुटे नजर आए। तुर्की संसद के अध्यक्ष नुमान कुर्तुलमुस ने इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मुस्लिम देश असली दुश्मन की पहचान करें : खामेनेई

तेहरान (हि.स.)। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने रविवार को कहा कि मुस्लिम देशों को इस समय असली दुश्मन की पहचान करनी चाहिए। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर इस्लामिक एकता के कट्टर दुश्मन होने का आरोप लगाया। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार इस्लामिक एकता सप्ताह के मौके पर एक संदेश में खामेनेई ने कहा कि इस्लामिक देशों के शासकों, खासकर पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के शासकों से मेरी जोरदार और बार-बार की सलाह है कि वे अपने असली दुश्मन को पहचानें, उसकी योजना को समझें और उसका सामना करें। अल जजीरा की रिपोर्ट में आईआरआईबी के हवाले से बताया गया है कि खामेनेई ने कहा कि प्रिय और प्रभावशाली इस्लामिक सभ्यता को हासिल करने के लिए मुसलमानों के बीच एकता जरूरी है। खामेनेई ने दावा किया कि अमेरिका और इजराइल इस एकता और दोस्ती के कट्टर दुश्मन हैं।

पृष्ठ एक का शेष

विजन 2047 : असम ...

उन्होंने कहा कि अगले सात वर्षों में, हम नाबार्ड से 30,000 करोड़ रुपए लेंगे और राज्य सरकार अपने बढ़े हुए राजस्व संग्रह से 20,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जिससे असम के विकास के लिए कुल 50,000 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे। प्रस्तावित पहलों में, सरकार की योजना प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो महिला नेतृत्व वाले बाजार स्थापित करने, असम माला योजना के तहत सड़कों का निर्माण करने, प्रत्येक जिले में एक स्टेडियम और प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक सभागार बनाने की है। शर्मा ने यह भी कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लगभग 1,000 स्कूलों को 7 करोड़ रुपए प्रत्येक प्राप्त होंगे, जबकि इस पैकेज के तहत 6,000 नए आंगनवाड़ी केंद्रों को विकसित करने का प्रस्ताव है। सरकार की योजना प्रत्येक पात्र चाय बागान श्रमिक परिवार को सीमेंटेड पक्के मकान के निर्माण के लिए 1.5 लाख रुपए प्रदान करने की भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने पैकेज को लागू करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की थी और अब प्रस्तावित सात साल की अवधि में परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वित्त पोषण की व्यवस्था तैयार कर ली है।

असम कैबिनेट की बैठक के बाद घोषित किए गए अन्य महत्वपूर्ण निर्णय:

सौर ऊर्जा परियोजना : मंत्रिमंडल ने ग्वालपाड़ा में 25 मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता वाली 30 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना को मंजूरी दी। इस परियोजना के लिए लगभग 500 बीघा भूमि आवंटित की गई है।

औद्योगिक संपदाएं : मंत्रिमंडल ने विभिन्न स्थानों पर औद्योगिक संपदाओं की स्थापना के लिए 1,174 बीघा भूमि आवंटित की है। यह भूमि असम औद्योगिक विकास निगम (एआईडीसी) को सौंपी जाएगी।

दुग्ध प्रसंस्करण केंद्र : धीमाजी राजस्व सर्कल में लगभग 27 बीघा भूमि पशु चिकित्सा विभाग को दुग्ध प्रसंस्करण केंद्र स्थापित करने के लिए हस्तांतरित कर दी गई है।

गौहाटी विश्वविद्यालय का अवसंरचना विकास : मंत्रिमंडल ने गौहाटी विश्वविद्यालय में अवसंरचना विकास के पहले चरण के लिए 109 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। इन परियोजनाओं में शैक्षणिक और छात्रावास भवन, कर्मचारी आवास और बिरिंची कुमार बरुआ सभागार का आधुनिकीकरण शामिल है।

गौहाटी विश्वविद्यालय के लिए अतिरिक्त निधि : प्रथम चरण की परियोजनाओं के संतोषजनक कार्यान्वयन के अधीन, सरकार गौहाटी विश्वविद्यालय में अवसंरचना विकास के लिए अतिरिक्त 140 करोड़ रुपए प्रदान कर सकती है।

पेट्रोलियम व्यवसाय नियम : व्यापार करने में आसानी लाने के लिए किए गए सुधारों के तहत, मंत्रिमंडल ने पेट्रोल डिपो और एलपीजी सुविधाओं सहित पेट्रोलियम से संबंधित प्रतिष्ठानों के लिए अलग से राज्य सरकार के व्यापार लाइसेंस की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है।

रेलवे ओवरब्रिज : कैबिनेट ने श्रीलंका में यातायात की भीड़ को कम करने के उद्देश्य से खेरोनी चारियाली और एनएच-27 के बीच रेलवे स्टेशन के पास एक सड़क ओवरब्रिज के निर्माण के लिए 155 करोड़ रुपए की मंजूरी दी।

वाहन स्क्रैपिंग : कैबिनेट ने पुराने सरकारी वाहनों के निपटान को सुव्यवस्थित करने के लिए वाहन स्क्रैपिंग व्यवसाय को औद्योगिक दर्जा प्रदान किया है। यह निर्णय फिलहाल केवल सरकारी वाहनों पर लागू होता है, निजी वाहनों पर नहीं।

नोनी में उग्रवादी गुटों के...

गया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी की हालत फिलहाल स्थिर है। एक अन्य घायल को इंफाल के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मणिपुर के थौबल जिले में भी शनिवार शाम एक अलग घटना सामने आई। पुलिस के मुताबिक, कुछ अज्ञात लोगों ने एक तेल पंप पर ग्रेनेड फेंका। आरोपी शाम करीब 6:30 बजे एक कार से वहां पहुंचे और परिसर के अंदर खड़े एक तेल टैंकर के पास ग्रेनेड फेंक दिया। धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों की पहचान के लिए तेल पंप और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हमले के पीछे कौन लोग थे और घटना का मकसद क्या था।

हॉस्टल वार्डन को 20 ...

की नाबालिग के साथ बलात्कार) और धारा 506 (आपराधिक धमकी) के साथ-साथ बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की धारा 4 शामिल हैं। धारा 506 के तहत तीन साल की कठोर सजा सुनाई। कोर्ट ने पॉक्सो की धारा 4 के तहत 10,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। वार्डन पर जुर्माना लगने के बाद उसने समय से जुर्माना नहीं भरा। ऐसे में कोर्ट ने उसे जुर्मानान भरने पर अतिरिक्त 6 महीने की साधारण जेल की सजा काटनी होगी। पुलिस ने बताया कि दोषी ने 12 साल की लड़की का कई बार यौन शोषण किया। वो इसकी सूचना किसी को भी न दे इसलिए सितंबर 2022 से उसे धमकाता भी रहा। पीड़िता इन सबसे बहुत परेशान थी। आखिर में उसने तंग आकर वहां से भागने का फैसला लिया। पीड़िता 12 नवंबर 2022 को हॉस्टल से भाग गई थी। दोषी के द्वारा फिर से शोषण किए जाने के एक दिन बाद वो घर लौटी। 21 नवंबर को उसने अपने घरवालों को पूरी घटना बताई। उसी दिन मामला दर्ज किया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने 14 मार्च 2023 को चार्जशीट दाखिल की। मुकदमे की सुनवाई के बाद अदालत ने उसे दोषी पाया और सजा सुनाई। यह मामला बच्चों की सुरक्षा और पॉक्सो कानून के सख्त क्रियान्वयन के लिए है। अदालत का फैसला ऐसे अपराधों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का मैसेज देता है। पीड़िता और उसके परिवार को न्याय मिलने से उन्होंने फिलहाल राहत महसूस की।

मेघालय में पुलिस-एटीएस ...

के अनुसार, आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) को सूचना मिली थी कि संदिग्ध डकैत चोंगसाक क्षेत्र से गुजर रहे थे। मिली सूचना के आधार पर मेघालय पुलिस और एटीएस ने नाका चौकी स्थापित की और इलाके में वाहनों की जांच शुरू कर दी। वसंतराव ने बताया कि जब संदिग्धों की बोलेरो चेकपॉइंट पर पहुंची, तो हमने वाहन को रुकने का इशारा किया। हालांकि, संदिग्धों ने निर्देशों को नजरअंदाज कर दिया और एटीएस कर्मियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने आगे कहा कि पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप चारों संदिग्धों की मौत हो गई। इस मुठभेड़ के साथ ही मारक की तलाश भी समाप्त हो गई, जो कथित तौर पर 23 अगस्त को ग्वालपाड़ा के व्यवसायी अबू सैयद की गोली मारकर हत्या करने में शामिल था। दुधनै पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि हमें मेघालय पुलिस से सुबह सूचना मिली। जब हमने पूछताछ की कि इसमें कौन-कौन शामिल थे, तो पता चला कि 23 अगस्त को व्यवसायी अबू सैयद की हत्या में शामिल अलासन मारक की मौत हो गई है। उसके साथ तीन और लोगों की भी मौत हो गई है। इस गोलीबारी के सिलसिले में इससे पहले चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में सैयद का भाई, एक व्यक्ति जो उसके साथ ई-रिक्शा में यात्रा कर रहा था, और उसके दो व्यापारिक साझेदार शामिल हैं, जिनकी पहचान आजाद अली और मोफिदुल इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों कारोबारी साझेदारों को 26 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था और उन्होंने कथित तौर पर जांचकर्ताओं को बताया कि उन्होंने अलासन से संपर्क किया था और उसे सैयद को गोली मारने के लिए कहा था। उन्होंने अलासन से मुलाकात की और उसे 2 लाख रुपए में अबू सैयद की हत्या करने को कहा। उन्होंने 1.20 लाख रुपए दे दिए, जबकि 80,000 रुपए बकाया थे। इसे सुपारी (ठेका) कहा जा सकता है। अब तक की जांच के आधार पर, हमारा मानना है कि दमरा की घटना व्यापारिक मामले से जुड़ी है, पुलिस अधिकारी ने कहा। 23 अगस्त को ग्वालपाड़ा के दमरा इलाके में स्थित सैयद की व्यावसायिक दुकान के सामने अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाईं और फिर फरार हो गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बाद में ग्वालपाड़ा कस्बे के सोलेस अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि इस घटना की जांच व्यापारिक विवाद से जुड़े कथित सुपारी लेकर की जा रही हत्या के रूप में की जा रही है।

असम पुलिस ने 2021 से ...

2021 में शर्मा को पहली बार मुख्यमंत्री बनाया गया था। मादक पदार्थों की तस्करी के रास्ते और उनके स्रोत के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम की भौगोलिक स्थिति चुनौतीपूर्ण है- यह म्यांमा से आने वाले मादक पदार्थों के लिए एक आवाजाही का रास्ता है, जो मिजोरम और मणिपुर से होते हुए देश के भीतरी इलाकों तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि सरगना अक्सर देश की सीमाओं के बाहर से काम करते हैं और इसीलिए यह लड़ाई अकेले असम की नहीं हो सकती। शर्मा ने कहा कि यहीं पर प्रधानमंत्री के नेतृत्व और केंद्र के मजबूत समर्थन ने असल फर्क डाला है। म्यांमार के साथ बेहतर तालमेल, राज्यों की सीमाओं पर कड़ी निगरानी, खुफिया सूचनाओं की बेहतर साझेदारी और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से हमारे बल खेप को आगे वितरित होने से पहले ही रोक पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम पुलिस ने अकेले काम नहीं किया है, बल्कि मादक पदार्थ की समस्या को खत्म करने के राष्ट्रीय संकल्प के हिस्से के तौर पर काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात सुनने के बाद शर्मा ने कहा कि मैं सोच रहा था कि मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई कोई बिखरी हुई कोशिश नहीं हो सकती- इसे केंद्र और हर राज्य में समान संकल्प के साथ आगे बढ़ाए जाने वाले एक राष्ट्रीय मिशन के तौर पर चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि *नशा मुक्त भारत* और *विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान* को लेकर प्रधानमंत्री का नजरिया उस सोच से मेल खाता है, जिसे असम ने बरसों से अपनाया है और जिसपर अमल किया है- यानी युवा ही सबसे बड़ी संपत्ति हैं और उन्हें नशीले पदार्थों के जहर से बचाना एक पवित्र कर्तव्य है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमेशा कहा है कि नशा न तो *कूल* है और न ही कोई स्टाइल स्टेटमेंट; मादक पदार्थ परिवारों और समुदायों के लिए केवल बर्बादी और तबाही लाते हैं। इस तरह, उनका नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान, जिसमें जमीनी स्तर पर सौ हफ्तों तक करोड़ों युवा भारतीयों तक पहुंचने का काम किया गया, हर राज्य के लिए एक आह्वान है कि वे अपने इरादों के अनुरूप ऊर्जा दिखाएं। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य के लिए अहम इस मिशन में एक अहम सहयोगी के तौर पर असम गर्व के साथ इस बुलावे का जवाब दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश नशा मुक्त भारत की ओर बढ़ रहा है। असम सरकार केंद्र के साथ मिलकर लगातार, समन्वित और दृढ़ता से काम करती रहेगी, जब तक कि हमारी सीमाओं पर मौजूद ड्रग नेटवर्क पूरी तरह से खत्म न हो जाए और असम का हर युवा इस खतरे से मुक्त होकर बड़ा न हो। उन्होंने कहा कि चुनौती के दायरे को अच्छी तरह समझते हुए, असम की लड़ाई रुकेगी नहीं।

33 हजार दर्शकों को ...

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबाल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी 13 दिसंबर 2025 को कोलकाता के युवा भारती स्टेडियम पहुंचे थे। उनके कार्यक्रम को लेकर बड़ी संख्या में प्रशंसक उत्साहित थे। मेस्सी को देखने के लिए फैंस ने 4 हजार से 6 हजार रुपए तक के टिकट खरीदे थे। हालांकि, कार्यक्रम के दौरान काफी अव्यवस्था और भारी भीड़ के कारण जमकर हंगामा हुआ। कार्यक्रम में अव्यवस्था को लेकर तत्कालीन तृणमूल कांग्रेस सरकार के खेल मंत्री अरूप विश्वास की भूमिका पर भी सवाल उठे थे। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने टिकट का पैसा वापस करने की मांग की थी, लेकिन लंबे समय बाद भी उन्हें रिफंड नहीं मिला। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में नबन्ना में आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस के विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अधिकारी ने मेस्सी के कार्यक्रम का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेसी के बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं और इन लोगों ने 4 हजार से 6 हजार रुपए तक के टिकट खरीदे थे। उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि इन 33 हजार खेल प्रेमियों का पैसा वापस किया जाए। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही फैंस के पैसे वापस कर दिए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पिछली सरकार पर खेल क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि आज जिन कई खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र मिले हैं, उनके कागजात 11 सालों से मुख्यमंत्री कार्यालय में धूल फांक रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में ओलंपिक, एशियाई खेलों या राष्ट्रीय टीमों में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व लगभग न के बराबर रहा है, जबकि ओडिशा और झारखंड जैसे राज्य प्रतिनिधि भेजते हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में प्रतिभा, मेहनत और क्षमता की कमी नहीं है, लेकिन खेलों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी व्यवस्था, पहल और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी रही है।

ब्रह्मपुत्र पर चीन बना...

भूगर्भीय कमजोरियों को लेकर गंभीर चेतावनी दी गई है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, निर्माण स्थल का भूभाग ढीली संरचना और कमजोर जुड़ाव वाला है। उनका कहना है कि किसी बड़े भूकंप या फॉल्ट की हलचल से जमीन में बड़े स्तर पर अस्थिरता पैदा हो सकती है। वैज्ञानिकों ने जलाशय की ढलानों को मजबूत करने, रिटेनिंग स्ट्रक्चर लगाने और परियोजना के कुछ अहम हिस्सों में डिजाइन संबंधी बदलाव करने की सिफारिश की है। चीन का यह विशाल बांध जिस क्षेत्र में बन रहा है, वह हिमालयी भूकंपीय पट्टी का हिस्सा है। यहां भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटों की लगातार टक्कर होती रहती है। इसी वजह से यह क्षेत्र दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप-संवेदनशील इलाकों में शामिल है। ऐसे में इतना बड़ा जलाशय और विशाल बांध किस तरह भूकंपीय जोखिम को प्रभावित करेगा, यह बड़ा सवाल बन गया है। विशेषज्ञों की चिंता केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि भूकंप आने पर बांध को नुकसान हो सकता है। एक बड़ी आशंका यह भी है कि विशाल जलाशय का भार और पानी का दबाव आसपास की भूगर्भीय संरचनाओं पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। इसे रिजर्भर-ट्रीगर्ड सिसमिसिटी (आरटीएस) कहा जाता है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बड़े जलाशयों और भूकंपीय गतिविधियों के बीच संबंध का अध्ययन किया गया है। इस बहस में चीन का 2008 का सिचुआन भूकंप अक्सर उदाहरण के तौर पर सामने आता है। इस विनाशकारी भूकंप में करीब 90 हजार लोगों की मौत हुई थी।

नेपाल त्रासदी में अब ...

सभी शवों के डीएनए नमूने लेकर उन्हें दफनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पहचान न हो सके और लावारिस शव प्रबंधन के प्रावधानों के अनुसार जिला सुरक्षा समिति के निर्णय के आधार पर शवों को एयरटाइट बैग में रखकर जमीन के नीचे दफनाया जा रहा है। प्रवक्ता काफ्ले ने कहा कि इस तरह दफनाने से शव सुरक्षित रहेंगे और भविष्य में पहचान होने पर उन्हें निकालकर परिजनों को सौंपा जा सकेगा।उन्होंने कहा कि अगर फोटो या अन्य माध्यम से शव की पहचान होने की जानकारी मिलती है और नागरिक हेल्प डेस्क से संपर्क करते हैं। उन्होंने बताया कि जिन शवों की पहचान नहीं हो सकी है, उनमें से प्रत्येक को अलग-अलग संकेत या कोड नंबर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, निर्धारित स्थान पर शवों को सम्मानजनक और सुरक्षित तरीके से जमीन के नीचे दफनाते समय प्रत्येक शव का संकेत या कोड नंबर जमीन के नीचे और ऊपर भी दर्ज किया जा रहा है। साथ ही, शव दफनाए गए स्थान की जीपीएस लोकेशन, तस्वीरें, नक्शा और अन्य विस्तृत विवरण भी रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। संबंधित व्यक्ति के परिजन के डीएनए नमूने से मिलान होने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को जमीन से निकालकर परिवार को सौंपने की व्यवस्था की गई है। प्रवक्ता काफ्ले ने कहा कि कुछ लोगों को शव दफनाए जाने की बात सुनकर गलत लग सकती है। लेकिन यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार की गई एक सुरक्षित विधि है। भविष्य में डीएनए मैच होने पर परिजन शव प्राप्त कर सकें, इसके लिए सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखे गए हैं। इसी तरह, नवलपरासी पूर्व में भी जिन शवों की पहचान नहीं हो सकी है, उन्हें जंगल क्षेत्र में दफनाने की तैयारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक युवराज खड्का के अनुसार, डीएनए परीक्षण के लिए नमूने एकत्र करने का काम शुरू कर दिया गया है। यहां शवों के प्रबंधन के लिए दो स्थानों की पहचान की गई है। फिलहाल नवलपरासी में मिले शवों को नवलपरासी पूर्व और नवलपरासी पश्चिम के अलावा पोखरा, रुपन्देही और कपिलवस्तु जिलों के अस्पतालों में रखा गया है। दोनों जिलों के पुलिस प्रमुखों के अनुसार, शनिवार शाम तक कुल 223 शव बरामद किए जा चुके थे। नवलपरासी पश्चिम के पुलिस प्रमुख, पुलिस अधीक्षक रामबहादुर केसी के अनुसार, जिले के क्षेत्र में 54 पूरे शव मिले हैं। इसके अलावा शरीर के 25 अंग भी बरामद किए गए हैं। वहीं, नवलपरासी पूर्व में शनिवार शाम तक 169 शव बरामद किए गए। इनमें से चार शवों की पहचान हो चुकी है। पुलिस अधीक्षक युवराज खड्का के अनुसार, इनमें से तीन शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं, जबकि एक शव सौंपने की प्रक्रिया में है। उनके अनुसार, 41 शव पोखरा भेजे गए हैं, जबकि बाकी शव जिले के दो अस्पतालों में रखे गए हैं। इस बीच, विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने बताया कि सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से शवों को सुरक्षित रखने के लिए मोबाइल फ्रीजर, रेफ्रिजरेटेड ट्रक तथा शवों की त्वरित फोरेंसिक और डीएनए जांच के उपकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि शवों के जल्द खराब होने का खतरा है। इसलिए पड़ोसी देशों और कूटनीतिक मिशनों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ रेफ्रिजरेटेड ट्रकों की व्यवस्था करने के लिए बातचीत चल रही है।

उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान ...

इसे हमारे दोनों देशों के सदियों पुराने मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा हमारी साझा विरासत को समर्पित करता हूं। इससे पहले, मोदी ने मिर्जियोयेव के साथ वार्ता की, जिसके बाद भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री 31 अगस्त से एक सितंबर तक होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 26वें शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ताशकंद से किर्गिस्तान की यात्रा करेंगे।

सवाल पूछना विद्रोह ...

की *जांच और सवाल* किए जा सकें तथा असहमति का जवाब दुश्मनी से नहीं दिया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां स्वतंत्र रूप से सोचने की आदत विकसित होती है और छात्र कठिन सवाल पूछने में संकोच नहीं करता। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने का अधिकार विद्रोह नहीं है और *असहिष्णु सोच* भारतीय संविधान की भावना के विपरीत है। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि जब छात्र अलग दृष्टिकोण रखते हैं, जब छात्र सवाल पूछते हैं, तो उन्हें दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती। यह असांविधानिक है। यह सत्ता और पद का दुरुपयोग है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां व्यक्ति ऐसे विचारों से रूबरू होते हैं, जो उनके अपने विचारों से अलग हो सकते हैं।

धर्म अलग हो सकते ...

से समझा जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक अनुशासन और ईश्वर की ओर बढ़ने के लिए ये रीति-रिवाज जरूरी हैं, लेकिन धर्म का असली उद्देश्य क्या है? धर्म हमें सत्य की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे समाज में काम कर रहे हैं, जिसकी परंपरा यह मानती है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है और मानवता उसी सत्य से बनी है। मोहन भागवत ने समाज को भारत की प्राचीन परंपराओं के बारे में शिक्षित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की परंपराएं विदेशी आक्रमणों के बावजूद बची रहीं और इन परंपराओं ने लोगों को *एक दुनिया, एक मानवता* का विचार दिया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग रास्ते हो सकते हैं, लेकिन उनका अंतिम लक्ष्य एक ही सत्य की ओर बढ़ना है। अपने संबोधन के दौरान भागवत ने 2018 में मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ हुई बातचीत का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय उनसे आरएसएस के हिंदू राष्ट्र के लक्ष्य को लेकर सवाल पूछा गया था। भागवत ने कहा कि अगर कोई हिंदू सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदुत्व की मूल भावना के प्रति सच्चा नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू जीवन पद्धति को अपनाने के कई रास्ते हो सकते हैं, लेकिन वे सभी एक ही अंतिम सत्य की ओर जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंसानों के बीच कोई बुनियादी अंतर नहीं है और हर व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि संगठन ने भारत में रहने वाले मुस्लिम और ईसाई समुदायों के साथ बातचीत शुरू की है। उन्होंने कहा कि संवाद पहला कदम है, लेकिन सेवा को संवाद के बाद का कदम नहीं समझना चाहिए। दोनों काम एक साथ होने चाहिए।

नेपाल बाढ़ में फंसे असम के आठ लोग आज लौटेंगे सुरक्षित

गुवाहाटी (हिंस)। नेपाल में फंसे असम के आठ लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है और उन्हें रविवार को असम वापस लाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के माध्यम से आज यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि नेपाल में फंसे असम के अब तक आठ लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। असम सरकार की सक्रिय पहल पर इन सभी लोगों को आज नेपाल से असम वापस लाने की प्रक्रिया जारी है। नेपाल में फंसे नलबाड़ी के समर बेजबरुवा ने फोन के जरिए अपने परिवार को सुरक्षित होने की जानकारी दी है। वहीं, नेपाल में लापता असम के लोगों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। अधिकारियों द्वारा लापता लोगों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी हैं।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ब्रेल किट पर असम सरकार का जोर

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी का समान विकास राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कहा कि असम में एनडीए 3.0 के पहले 100 दिनों के दौरान राज्य सरकार ने दिव्यांग एवं दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं को ब्रेल किट उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सीखने के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित करने और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए सरकार के प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

सड़क हादसे में फिल्म निर्देशक एवं सांस्कृतिक कार्यकर्ता की मौत

माजुली (हिंस)। असम के माजुली जिले के कमलाबाड़ी में रविवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में फिल्म निर्देशक एवं सांस्कृतिक कार्यकर्ता नीलानंद दास की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नीलानंद दास का वाहन अचानक नियंत्रण से बाहर हो गया और सड़क किनारे स्थित गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नीलानंद दास माजुली में फिल्म निर्माण के कार्य में व्यस्त थे। उनके असामयिक निधन से सांस्कृतिक जगत और लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है।

असम सीमा पर बांग्लादेश से घुसपैठ की कोशिश नाकाम तीन लोगों को प्रवेश से रोका

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य की सीमा पर सुरक्षा बलों ने भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश कर रहे तीन लोगों को रोक दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बताया कि बांग्लादेश से घुसपैठ पर रोक लगाने और असम की सीमा सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए राज्य में स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि बीती रात सतर्क सुरक्षा बलों ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश का प्रयास कर रहे तीन लोगों की पहचान की और उन्हें प्रवेश करने से रोक दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि देश की सुरक्षा और सीमा की अखंडता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी हर कोशिश को सख्ती से नाकाम किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सीमा को सुरक्षित रखकर देश को सुरक्षित बनाने का संकल्प निरंतर जारी रहेगा।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने लोगों से बंद से बचने की अपील की और अपनी मांगों को उठाने के लिए लोकतांत्रिक तरीकों का आह्वान किया

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युम्नाम खेमचंद सिंह ने रविवार को समाज के सभी वर्गों से अपनी मांगों को मनवाने के लिए बंद और नाकाबंदी न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों से अक्सर हिंसा भड़कती है और आम जनता को कठिनाई होती है। नई दिल्ली रवाना होने से पहले मीडियाकर्मियों से बात करते हुए खेमचंद सिंह ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारें मणिपुर के लोगों की आकांक्षाओं और चिंताओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने शिकायत करने वालों से बंद और नाकाबंदी का सहारा लेने के बजाए आंदोलन के अन्य लोकतांत्रिक रूपों को अपनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद से अंततः आम लोगों के लिए और अधिक कठिनाइयां पैदा होती हैं, जबकि जरूरी नहीं कि इससे

उठाए गए मुद्दों का समाधान हो। उन्होंने विशेष रूप से दिहाड़ी मजदूरों, छात्रों और सब्जियां और अन्य कृषि उत्पाद बेचने वाली महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव की ओर इशारा किया। खेमचंद सिंह के अनुसार, दैनिक वेतन भोगी मजदूर व्यवधानों से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वालों में से हैं क्योंकि वे अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के लिए अपनी दैनिक कमाई पर निर्भर हैं। बंद के दौरान बाजारों और सामान्य गतिविधियों के बाधित होने पर महिला विक्रेताओं को भी काफी नुकसान का सामना करना पड़ता है। उन्होंने छात्रों पर लॉकडाउन के प्रभाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि शैक्षणिक माहौल में व्यवधान उनकी शिक्षा को प्रभावित कर सकता है। छात्रों को समाज के भावी स्तंभ बताते हुए उन्होंने सभी हितधारकों से राज्य में शैक्षणिक कैलेंडर को बाधित न करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान कानून का उल्लंघन करने या अराजकता पैदा करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। खेमचंद सिंह ने कहा कि वह शीर्ष केंद्रीय नेताओं से मिलने और राज्य के विभिन्न मौजूदा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली जा रहे हैं। उन्होंने 14 नागरिक समाज संगठनों के नेताओं और विधायकों के प्रतिनिधिमंडल द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की, जिन्होंने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय नेताओं और अधिकारियों से मिलकर राज्य में एनआरसी के कार्यान्वयन के लिए अभियान चलाया था। उन्होंने कहा कि उनके अभियान को नई दिल्ली में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। मुख्यमंत्री ने तीन साल से अधिक के अंतराल के बाद इंफाल, डिमापुर और गुवाहाटी के बीच सड़क परिवहन सेवाओं की बहाली का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इंफाल-डिमापुर-गुवाहाटी बस सेवा की बहाली से उन लोगों को बहुत जरूरी राहत मिलेगी जो इंफाल और गुवाहाटी के बीच महंगी हवाई यात्रा पर निर्भर रहने के लिए मजबूर थे।

एक दिन के लिए *गांवबूढ़ा* बने असम के मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें शनिवार को शिलांग स्थित असम रेजिमेंटल सेंटर में एक दिन के लिए *गांवबूढ़ा* बनने का सम्मान मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि *गांवबूढ़ा* शब्द को असम रेजिमेंट लंबे समय से पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ एक परंपरा के रूप में निभाती आ रही है। असम और पूर्वोत्तर के गांवों में *गांवबूढ़ा* शब्द सामाजिक रूप से परिचित और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि असम रेजिमेंट ने इस पारंपरिक शब्द को सैन्य क्षेत्र में भी सम्मानजनक पहचान दी है और असम की विशिष्ट परंपरा को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि शिलांग स्थित असम रेजिमेंटल सेंटर में एक दिन के लिए *गांवबूढ़ा* बनने का अवसर उनके लिए बेहद सौभाग्य और सम्मान का क्षण था। उन्होंने इस यादगार अनुभव के लिए असम रेजिमेंट के प्रति आभार व्यक्त किया।

सड़क हादसे में पांच की मौत, छह की हालत गंभीर

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर आज रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि 6 लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या में इजाफा होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने बताया है कि रविवार की रात खेत्री थानांतर्गत मयहांग और भूरागांव के बीच हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 27 यर तेतेलिया के निकट गुवाहाटी की ओर आ रही ट्रैवलर बस (एएस-01एचसी-0716) डिवाइडर को पारकर विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक (एएस-07बीसी-4271) से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पांच लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद दोनों वाहनों से छह लोगों को गंभीर अवस्था में बरामद कर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। स्थानीय लोगों के अनुसार, नगांव से गुवाहाटी की ओर आ रही ट्रैवलर वाहन का एक टायर गड्ढे पड़ने के बाद फट गया, जिसकी वजह से ट्रैवलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर को पारकर दूसरी ओर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गयी। हादसे में ट्रैवलर के ड्राइवर समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

असम में 25 हजार से अधिक बूथों पर गूंजी *मन की बात*, पीएम मोदी ने अहोम इतिहास को भी किया याद

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 137वें एपिसोड का रविवार को देशभर में प्रसारण हुआ। कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण, नशामुक्त भारत, तकनीक, इतिहास, स्वच्छता, नवाचार, कृषि और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया ने न्यू गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के बाहिनी मंडल के बूथ संख्या 169 पर तथा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ *मन की बात* सुनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने मिशन शक्तिसैट पहल का उल्लेख करते हुए बताया कि 108 देशों की करीब 12,000 महिलाएं अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े अध्ययन, शोध और आउटरीच गतिविधियों में भाग ले रही हैं। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और कहा कि इसके 46 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं, जो चाय की दुकानों, स्थानीय कारोबार और अन्य छोटे उद्यमों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने नगालैंड के फेक जिले की वैशाली पुरो का उदाहरण भी दिया, जिन्होंने फूलों की खेती के जरिए आत्मनिर्भरता हासिल की है। प्रधानमंत्री ने भारत के समृद्ध इतिहास को सामने लाने वाली पहल और असम के अहोम साम्राज्य के करीब 600 वर्षों के इतिहास का भी उल्लेख किया। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भी दिसपुर विधानसभा क्षेत्र के राजधानी मंडल के बूथ संख्या 187 पर भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में 500 से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ *मन की बात* सुनी। असम भाजपा के प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने बताया कि राज्य के 39 संगठनात्मक जिलों के 433 मंडलों के 25,000 से अधिक बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम सुना, जिसमें लाखों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

संस्कृत भारती जोरहाट जिला शाखा ने मनाया विश्व संस्कृत दिवस

जोरहाट (हिंस)। पवित्र श्रावणी पूर्णिमा तिथि पर हर वर्ष पूरे देश में विश्व संस्कृत दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में आज जोरहाट जिले के मधुकर भवन में भी विश्व संस्कृत दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्कृत भारती की जोरहाट जिला शाखा के संयोजक जयन्त शास्त्री द्वारा संचालित कार्यक्रम का शुभारंभ ध्येय मंत्र पाठ के साथ किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में गड़मूर शंकरदेव शिशु निकेतन की प्रधानाचार्य बर्नाली बरुवा, संस्कृत प्रेमी अच्युत बोरा,

जोरहाट इंजीनियरिंग कॉलेज की पूर्व प्राध्यापिका डॉ. नित्यांजली भट्टाचार्य, जगन्नाथ बरुवा विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका डॉ. स्वप्ना बोरा, आउनियाटी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रूपम शास्त्री, देवीचरण बरुवा बालिका महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मधुस्मिता डेका, जोरहाट नगर के कार्यवाह प्राणदीप शर्मा, संस्कृत भारती के उत्तर असम प्रांत के महाविद्यालयों के कार्य प्रमुख अनिर्वाण शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के जोरहाट जिला सचिव राजू बोरा के साथ विकास बरठाकुर, पुलकेश बरुवा, भास्कर बरुवा, वर्षा बोरा, डिम्पी गायन सहित कई संस्कृत प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम में संस्कृत गीत, श्लोक पाठ और सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत *वंदे मातरम्* का गायन किया गया। अंत में जोरहाट जिले के गांव-गांव में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए सभी ने सहमति व्यक्त की और कल्याण मंत्र पाठ के साथ विश्व संस्कृत दिवस कार्यक्रम का समापन हुआ।

नागालैंड के सेयहामा में नागा किंग चिली ग्रामीण आय का बढ़ता हुआ स्रोत बन रही है

कोहिमा। नागालैंड के सेयहामा गांव में किसानों के लिए राजा मिर्चा के नाम से मशहूर नागा किंग चिली तेजी से आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनती जा रही है। समुदाय को इस साल ताजी मिर्च की लगभग 3,200 टिन की फसल और 30-32 लाख रुपए के राजस्व का अनुमान है। शनिवार को सेयहामा में आयोजित ऑर्गेनिक नागा किंग चिली फेस्टिवल के चौथे संस्करण में इन आंकड़ों पर प्रकाश डाला गया, जहां किसानों और समुदाय के सदस्यों ने स्वदेशी फसल के बढ़ते आर्थिक महत्व को प्रदर्शित किया। सूचना एवं प्रचार प्रतिनिधि केविनाइजो जुमू द्वारा प्रस्तुत 2026 की कृषि रिपोर्ट के अनुसार, इस गांव में 482 परिवार हैं, जिनमें से लगभग 180 परिवार वर्तमान में नागा किंग मिर्च की खेती से सीधे

1,500 और टिन एकत्र किए जाने की उम्मीद है। इससे अनुमानित वार्षिक उत्पादन लगभग 3,200 टिन तक पहुंच जाएगा। यह फसल गांव में छोटे पैमाने पर मूल्यवर्धन को भी बढ़ावा दे रही है। अचार और मिर्च आधारित अन्य उत्पाद बनाने वाले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को इस वर्ष 1-2 लाख रुपए की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है। जुमू ने अच्छी फसल का श्रेय अनुकूल मौसम की स्थिति को दिया और कहा कि किसानों ने मौजूदा खेती के मौसम में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस महोत्सव ने फसल के व्यापक आर्थिक और सामाजिक प्रभाव की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। कोहिमा में पेरासीजी बैपटिस्ट चर्च के पादरी और सेयहामा के मूल निवासी रेवरेंड केविचली मेथ ने कहा कि त्योहार की बढ़ती लोकप्रियता ने गांव और उसके उत्पादों को एक व्यापक मंच पर लाने में मदद की है। मेथा ने कहा कि नागा किंग चिली से होने वाली आय ने कई परिवारों को अपनी आजीविका बनाए रखने और अपनी वित्तीय संभावनाओं को बेहतर बनाने में मदद की है। उन्होंने ग्रामीणों से इस क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और किसानों, समुदाय और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि दीर्घकालिक कृषि और आर्थिक प्रगति के लिए गांव के लोगों से निरंतर कड़ी मेहनत और सामूहिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। आयोजन समिति के पूर्व अध्यक्ष और संयोजक ल्हौलाली जुमू के अनुसार, इस महोत्सव की शुरुआत 2022 में सेयहामा और उसके स्वदेशी राजा मिर्चा को आसपास के क्षेत्र से परे बढ़ावा देने के लिए की गई थी। डाउनलोड करनाइंटरैक्टिव मानचित्र उन्होंने कहा कि पहले सेयहामा को इस क्षेत्र के बाहर सीमित पहचान मिली थी, लेकिन वार्षिक उत्सव तब से गांव, इसके मिर्च उत्पादन और स्थानीय किसानों के प्रयासों को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। जुमु ने इस पहल और किसानों को सहयोग देने में नागालैंड बागवानी विभाग, उत्तर पूर्वी परिषद और अन्य हितधारकों से मिली सहायता को स्वीकार किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि फसल की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए बेहतर संस्थागत समर्थन, कृषि संपर्क और विपणन सुविधाओं की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गांव के पहाड़ी इलाके के कारण किसानों के लिए परिवहन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, जबकि बेहतर बाजार पहुंच उत्पादकों को बड़े बाजारों से जुड़ने और अपने व्यवसायों का विस्तार करने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण होगी। आयोजकों ने उम्मीद जताई कि किसानों, सरकारी एजेंसियों और अन्य हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय से संपर्क और विपणन के अवसरों में सुधार होगा, जिससे नागा किंग मिर्च की खेती ग्रामीण उद्यम और स्थायी आय के स्रोत के रूप में और अधिक विकसित हो सकेगी। इस उत्सव ने ग्रामीणों, किसानों और अन्य हितधारकों को एक साथ लाया और सेयहामा में राजा मिर्चा की बढ़ती भूमिका को मजबूत किया-न केवल एक पारंपरिक फसल के रूप में बल्कि स्थानीय कृषि समुदाय के लिए एक उभरते आर्थिक अवसर के रूप में भी।

रंगिया में दो दिवसीय गणेशत्सोव का आयोजन 13 सितंबर से

रंगिया (विभास)। श्री श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव के 38 वें वर्ष के वृहद आयोजन के तहत आज विधि विधान के साथ प्रथम निमंत्रण भगवान श्री गणेश जी को अर्पित किया गया। मालूम हो कि आगामी 13-15 सितंबर को स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में उक्त महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत आज सुबह अध्यक्ष जितेन्द्र जाजोदिया, कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद बजाज, उपाध्यक्ष प्रमोद छित्रका सचिव अंकित अग्रवाल, सह सचिव सौरभ बजाज व कोषाध्यक्ष विकास चौधरी व अशोक शर्मा के नेतृत्व मे पुजारी गोपाल शर्मा द्वारा निमंत्रण पत्र शुद्धि के बाद भगवान श्री गणेश, रामचंद्र, रंगिया नरेश बालाजी, श्री राधाकृष्ण तथा भगवान भोलेनाथ सहित सभी देवी देवताओं का आह्वान करते हुए प्रथम निमंत्रण पत्र अर्पण किया गया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष रमेश बजाज के साथ विकास लुंडिया, गोपाल जाजोदिया, आशिष लुंडिया, कैलाश छित्रका, नवीन जाजोदिया, गोपी किशन शर्मा, मनीष शर्मा, सफल अग्रवाल, गौरव शर्मा, पुनीत लुंडिया, रोहित सिकरिया तथा समाजबंधुओं की उपस्थिति में महोत्सव का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न करवाने हेतु अर्चना की गयी। साथ ही आगामी 4 सितंबर को श्री कृष्ण जन्माष्टमी हेतु संयोजक की जिम्मेदारी गौरव शर्मा व पुनीत लुंडिया को सौंपी गई की जानकारी सचिव अंकित अग्रवाल ने दी है।

वन विभाग ने अवैध रूप से चल रहे आरा मील को किया ध्वस्त

नगरबेड़ा (विभास)। वन विभाग ने बरपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र में आलोपति चर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आलोपति में एक अवैध आरा मील को आज औचक अभियान चलाकर हटाया। बरपेटारोड के क्षेत्रीय वन अधिकारी (आरएफओ) धर्मेंद्र कुमार दास के निर्देश पर बाघमराचर में अस्थायी वन शिविर के वन रक्षक पूलक ज्योति ओझा के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम ने अस्थायी दास, चंदन मजूमदार और खंडाकर बकुल हुसैन सहित वन कर्मचारियों के साथ छापेमारी की और आलोपाति लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास एक अवैध आरा मीर को ध्वस्त कर दिया। बाद में छापेमारी करने वाली टीम ने मशीन को जनरेटर के साथ जब्त मिल को आलोपतिचर पुलिस स्टेशन की हिरासत में रखा। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि वन मंत्री जयंतमल्ला बरुआ के सख्त निर्देशों का पालन करते हुए, वन विभाग चर क्षेत्रों में अवैध लकड़ी मिलों और अवैध लकड़ी के कारोबार के खिलाफ कई अभियान चला रहा है।

ढेपढेपी में लोंगा नदी पर बन रहे पुल के काम को लेकर जनता में भारी आक्रोश

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के चिथिला के पास ढेपढेपी-लामापाड़ा इलाके में लोंगा नदी पर निर्माणाधीन पक्के पुल के काम को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा असंतोष और आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुल निर्माण के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है और काम की रफ्तार बेहद धीमी है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, लोंगा नदी पर इस पुल का शिलान्यास हुए एक वर्ष से भी अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन निर्माण कार्य में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। कछुआ गति से चल रहे काम के साथ-साथ निर्माण की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुल के निर्माण में घटिया किस्म के पत्थर, रेत और सीमेंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा, पिलरों में निर्धारित मानकों के अनुसार लोहे की छड़ों (सरिया) का उचित प्रयोग नहीं किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का सीधा आरोप है कि निर्माण कार्य में जुटे

ठेकेदार और संबंधित विभागीय इंजीनियर अपनी जिम्मेदारियों का सही से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। ठेकेदार और विभाग की मिलीभगत व लापरवाही के कारण ही घटिया सामग्री से काम चलाया जा रहा है। क्षेत्र के आवागमन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण इस पुल के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने और इसकी गुणवत्ता की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग को लेकर स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से गुहार लगाई है, ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

रंगिया में 9वीं वार्षिक सीएम चैंपियनशिप ट्रॉफी

प्री-क्वार्टर फाइनल में रंगिया टाउन क्लब की शानदार जीत

रंगिया (विभास)। हरदत्त-बीरदत्त क्रीड़ा संघ के तत्वावधान और स्थानीय विधायक भवेश कलिता के मार्गदर्शन में रंगिया में हर साल की तरह इस बार 9वीं वार्षिक सीएम चैंपियनशिप ट्रॉफी आमंत्रण प्राइजमनी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 28 अगस्त से शुरू हुई यह प्रतियोगिता क्षेत्र के विभिन्न खेल मैदानों में खेली जा रही है। शनिवार को खेले गए दूसरे प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रंगिया टाउन क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोरेश्वर एफसी को 4-1 के बड़े अंतर से शिकस्त देकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। इस मैच का औपचारिक उद्घाटन कछारी महल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य कैलाश डेका ने किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक भवेश कलिता, रंगिया के सह-जिला आयुक्त नवजीत पाठक और कामरूप जिले के अतिरिक्त उपायुक्त विक्रम छेत्री मुख्य रूप से उपस्थित रहे तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला 12 सितंबर को,

जबकि दूसरा सेमीफाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा। वहीं, प्रतियोगिता का भव्य खिताबी (फाइनल) मुकाबला 15 सितंबर को रंगिया के बर्मिज फील्ड में आयोजित होगा। आयोजक समिति और विधायक भवेश कलिता ने क्षेत्र के समस्त खेल प्रेमियों से मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने और अपना पूर्ण सहयोग देने की अपील की है।

संपादकीय

बिना हुनर के डिग्री

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिरा तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है ,जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए।

> देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं। दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैंकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी। पिछले कुछ समय में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने का फैशन चला। वैश्विक स्थितियों में बदलाव व एआई के वर्चस्व के चलते अचानक कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नौकरियों में तेजी से कटौती हुई। लेकिन देश में हजारों शिक्षण संस्थान आज भी इस भेड़चाल में युवाओं को धकेल रहे हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति-नियंताओं ने दूरदर्शी दृष्टिकोण न अपनाते हुए, भविष्य की दीवार पर लिखी इबारत को नहीं पढ़ा। यही वजह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश होने के बावजूद हम इस जनसांख्यिकीय लाभ उठाने में विफल रहे हैं। हमारे उद्योगों ने भी अपनी जरूरत के मुताबिक युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिये इस बाबत चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सहयोग नहीं किया। यही वजह है कि आज देश में कामचलाऊ इंटर्नशिप व अप्रेंटिसशिप का बोलबाला है। यदि हमारा निजी क्षेत्र इस दिशा में रचनात्मक पहल करता तो उसे बड़ी संख्या में अपनी जरूरतों के मुताबिक युवा प्रतिभाएं मिल सकती थीं। इसे दिशा देने में देश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं आईआईटी व आईआईएम की बड़ी भूमिका हो सकती थी। याद रहे कि कौशल विकास का मतलब केवल एक सार्टिफिकेट हासिल करना नहीं है। देश को कौशल विकास से लैस युवाओं की जरूरत है। जो आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये अनिवार्य शर्त भी है। नीति-नियंताओं को इस मामले में चीन की औद्योगिक व तकनीकी क्रांति से जुड़ी नीतियों से सीखने की आवश्यकता है। जरूरत इस बात की है कि हमारे स्कूल-कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालयों तक में रोजगार से जुड़े पाठ्यक्रमों को तरजीह दी जाए।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

> हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है।

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है।

इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां, भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए।

नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरुआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है।

नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल, चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल-प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन, ग्लेशियर झील और हिमस्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा-पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग 'माउंटेन सेफ्टी पॉलिसी' पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम, जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग, भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई, नदी किनारे अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं।

दुनिया को जापान, स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा-प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं, उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया, तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा, वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा।

देश दुनीया से

अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ पर रस्साकशी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रिय शगल है टैरिफ-टैरिफ खेलना, दुनिया के तमाम देशों को नियंत्रित करने के लिए टैरिफ को अंतर्राष्ट्रीय हथकंडे के तौर पर, एक अस्त्र के तौर पर इस्तेमाल करना उनका शौक रहा। इसी क्रम में अब अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ युद्ध का नया सीजन शुरू हो गया। दोनों देशों के बीच इसे लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रंप ने अब नई धमकी दी है कि कनाडा की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और स्टील पर टैरिफ को वह 1 जनवरी से 50 फीसदी तक बढ़ा देंगे, इससे कनाडा में खलबली मची है। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार वार्ता टूटने पर दोनों देशों में ठन-सी गई है। जवाब में कनाडा ने घोषणा की थी कि वह भी अमेरिकी उत्पादों पर रेसिप्रोकल 50 फीसदी टैरिफ लगाएगा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रंप की नई धमकी पर कहा है कि इससे उन्हें कोई हैरत नहीं, क्योंकि ट्रंप का चरित्र इसी तरह का है और वे कनाडा की ऑटो इंडस्ट्री तबाह करना चाहते हैं। लेकिन दोहराया कि अगर अमेरिका 'सही रवैये' के साथ आता है तो ट्रेड वार्ता फिर से शुरू हो सकती है। अमेरिका व कनाडा में ये टकराव नया नहीं। ट्रंप ने सत्ता दोबारा संभालते ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की मंशा जाहिर की थी, जिससे दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गये थे। कनाडा ने इस इरादे का कड़ा विरोध भी किया था। उसके बाद ट्रंप ने कनाडा के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता का ताजा दौर 21 अगस्त को विफल हो गया और अमेरिका ने कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के उत्पादों

पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। ट्रंप ने कह दिया कि कनाडा, अमेरिका का राज्य बने बिना ही राज्य होने के सारे फायदे चाहता है। यह कनाडा के जले पर नमक छिड़कने जैसा बयान था। इसका कड़ा जवाब दिया कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने, कि वे ट्रंप के टैरिफ का जवाब 'डॉलर के बदले डॉलर' के अंदाज में देंगे और 8 सितंबर से अमेरिकी उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। कार्नी ने कहा कि अब अमेरिका और कनाडा टैरिफ वॉर में हैं। अमेरिका के स्टील, डेरी, घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक्स पर भी शुल्क लगेगा। अभी कनाडा के वाहनों पर अमेरिकी टैरिफ गैर-अमेरिकी हिस्से (कंपोनेंट्स) के लिए 25 फीसदी है, जबकि स्टील पर 50 प्रतिशत शुल्क लागू है। कार्नी ने ट्रंप टैरिफ को युद्ध की संज्ञा देते हुए कहा कि अमेरिका व्यापार समझौते में हमसे बहुत ज्यादा मांग रहा है और हमें बहुत कम दे रहा है। कनाडा ने जो जवाबी टैरिफ अमेरिका पर लगाने की धमकी दी, उसमें अमेरिकी स्टील व डेरी उत्पादों के साथ कृषि उपकरण व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी रखा गया है। कनाडा की मुख्य विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी सहित सभी दलों ने अमेरिका से टैरिफ वॉर में प्रधानमंत्री कार्नी का समर्थन किया। उधर अमेरिका में ट्रंप के टैरिफ वॉर के खिलाफ आवाजें मुखर हैं। इस साल के शुरू में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जिस तरह से ट्रंप टैरिफ का डंडा चला रहे हैं, वह गैरकानूनी है। तब से ट्रंप चोर रास्तों से टैरिफ नीति को लागू किये हैं। अमेरिकी जनता के बड़े हिस्से को लगता है कि ट्रंप के इन फैसलों की वजह से उन्हें उत्पादों की भारी कीमत देनी पड़ती है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप का तर्क है कि इससे अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के मौके पैदा होंगे। पिछले साल अमेरिका व कनाडा दोनों देशों ने एक-दूसरे को 880 अरब डॉलर का सामान व सर्विसेज बेची थी। यानी व्यापार में दोनों ही देशों की अच्छी कमाई होती है और एक-दूसरे पर काफी निर्भर हैं। अमेरिका ने कनाडा और मैक्सिको के साथ साझा व्यापार सुगम बनाने को समझौता भी किया हुआ है। तो टैरिफ वॉर की आंच क्या उक्त नाथ अमेरिकन ट्रेड पैक्ट पर आएगी? दरअसल दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रंप टैरिफ को बतौर कूटनीतिक हथियार प्रयोग कर रहे हैं। टैरिफ ट्रंप की व्यापार नीति और विश्व कूटनीति का अहम हिस्सा रहा है। दुनिया भर के देशों को दबाने, मनमाने व्यापार समझौते करवाने, समझौते के लिए दबाव बनाने के हथकंडे के तौर पर टैरिफ का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे पहले ट्रंप ने इसका इस्तेमाल चीन को झुकाने के लिए किया, लेकिन विफल रहे। चीन ने भी अपनी रेयर अर्थ की ताकत को इस्तेमाल किया और जवाबी टैरिफ की घोषणा कर दी। ट्रंप को पैर पीछे खींचने पड़े। ट्रंप ने निशाने पर भारत को भी लिया, टैरिफ का डंडा चलाया। वहीं अपने पड़ोसी देशों पर इसका इस्तेमाल किया। कनाडा पर टैरिफ वॉर शुरू की। अमेरिका चाहता था कि कनाडा के महत्वपूर्ण खनिजों पर उसका विशेषाधिकार रहे और वह किसी अन्य देश से स्वतंत्र समझौता न करे, जिसे कनाडा ने अस्वीकार किया। प्रधानमंत्री कार्नी ने ऐसी शर्त गलत बताई और जवाबी टैरिफ की घोषणा कर दी, जिससे बौखलाकर ट्रंप ने 1 जन. 2027 से कनाडाई ऑटो इंडस्ट्री पर 50 फीसदी टैरिफ की घोषणा कर दी। अगर ऐसा होता है तो कनाडा के लिए बहुत मुश्किल होगी। व्यापार वार्ता टूटने से फिलहाल दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ गये अरबों डॉलर के व्यापारिक संबंधों में बड़ा बदलाव आया है और अभी समाधान का कोई रास्ता भी नहीं दिख रहा। हालांकि वार्ता के दरवाजे बंद नहीं। अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ कनाडा का बुलंद स्वर ट्रंप के लिए परेशानी बन सकता है।

आप का नजरीया

प्रकृति की अनदेखी के दुष्परिणाम

> नेपाल में आई विनाशकारी आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन ने एक बार फिर पूरे दक्षिण एशिया को झकझोर कर रख दिया है। हिमालय की गोद में बसी यह शांत और सुंदर भूमि जिस तरह प्राकृतिक तबाही का केंद्र बनी है, वह केवल एक भौगोलिक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रकृति के बढ़ते रोष और इंसानी बेपरवाही का एक भयावह प्रतीक है। उफनती नदियां, जलमग्न शहर, ताश के पत्तों की तरह बहते पक्के पुल और मलबे के नीचे दबे गांव के गांव केवल नेपाल की आपदा के दृश्य नहीं हैं, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक ऐसी चेतावनी है, जिसे अब और नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित होगा। इस त्रासदी के लिए केवल प्रकृति के मिजाज को जिम्मेदार ठहराना समस्या की गहराई से मुंह मोड़ना होगा। इसके पीछे अनियोजित विकास, पहाड़ों का अविवेकपूर्ण दोहन और जलवायु परिवर्तन जैसे इंसानी कारण बहुत ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

पिछले कुछ दशकों में नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों और काठमांडू घाटी में जिस तरह अनियंत्रित और बेतरतीब निर्माण कार्य हुआ है, उसने प्राकृतिक जल निकासी की व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों और बाढ़ के मैदानों में बहुमंजिला इमारतों, सड़कों और व्यावसायिक परिसरों का निर्माण कर लिया गया। जब नदियों के पास बहने के लिए स्वाभाविक जगह ही नहीं बची तो पानी ने आबादी वाले इलाकों का रुख किया।

इसके साथ ही सड़कों के संजाल को फैलाने और रन-आफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजनाओं को खड़ा करने के नाम पर पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई की गई। भारी डायनामाइट विस्फोटों ने संवेदनशील ढलानों की आंतरिक दरारों को और चौड़ा कर दिया है, जिससे वे मामूली बारिश में भी खिसकने लगी हैं। ढलानों से जंगलों की कटाई ने मृदा अपरदन की दर को कई गुना बढ़ा दिया है। पेड़ों की जड़ें जो मिट्टी को बांधकर रखती थीं, उनके गायब होने से बारिश का पानी सीधे सतह पर प्रचंड वेग से बहने लगता है। इसके ऊपर वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन का असर अब अत्यंत प्रत्यक्ष और घातक रूप में सामने आ रहा है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक आपदा के रूप में न देखकर एक सामरिक, वैज्ञानिक और मानवीय चुनौती के रूप में देखा जाए। पारंपरिक रूप से हमारा ध्यान केवल आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक सीमित रहता है। इस प्रतिक्रियात्मक रवैये को बदलकर आपदा जोखिम न्यूनीकरण की दिशा में काम करना होगा। सबसे पहली आवश्यकता एक प्रभावी, आधुनिक और रियल-टाइम पूर्व-चेतावनी प्रणाली को विकसित करने की है। यदि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ आने से कुछ घंटे पहले भी सटीक सूचना मिल जाए तो जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दूसरा महत्वपूर्ण कदम भारत और नेपाल के बीच जल प्रबंधन को लेकर दशकों पुराने समझौतों और ठप पड़ी वार्ताओं को पुनर्जीवित करना है। कोसी और गंडक परियोजनाओं पर नए सिरे से ध्यान देना होगा। केवल बुनियादी ढांचा खड़ा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस ढांचे का नियमित रखरखाव, नदियों से गाद निकालने की निरंतर प्रक्रिया और जल भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल जरूरी है। अब पूरे हिमालयी क्षेत्र में विकास की अवधारणा को फिर से परिभाषित करने की सख्त जरूरत है। पहाड़ों में बुनियादी ढांचे का विकास पारिस्थितिकी की कीमत पर नहीं होना चाहिए। सड़कों के निर्माण में भारी विस्फोटकों के बजाय हरित निर्माण तकनीकों का प्रयोग होना चाहिए। नदियों के तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण को सख्ती से रोकते हुए नो-कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया जाना चाहिए। जब तक पहाड़ों की हरियाली और उसकी मिट्टी की पकड़ मजबूत नहीं होगी, तब तक भूस्खलन और मलबे के साथ आने वाली बाढ़ को नहीं रोका जा सकता। ग्लेशियल झीलों के खतरे से निपटने के लिए आधुनिक उपग्रह निगरानी प्रणालियों का उपयोग कर नियमित मैपिंग की जानी चाहिए और खतरनाक झीलों से साइफनिंग तकनीक द्वारा पानी को नियंत्रित रूप से बाहर निकालकर उनके जलस्तर को सुरक्षित सीमा में रखा जाना चाहिए। सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देना और उन्हें पूर्व-चेतावनी नेटवर्क से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। जब तक विज्ञान, नीति-निर्माण और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का सही समन्वय नहीं होगा, तब तक हम इस प्राकृतिक और मानवजनित आपदा के भंवर से बाहर नहीं निकल पाएंगे।

कुछ अलग

विनम्रता से ज्ञान

एक दिन जब सुकरात एथेंस की गलियों से गुजर रहे थे, तब एक युवक उनके पास आया और बोला, 'लोग कहते हैं कि आप सबसे बुद्धिमान हैं, फिर भी आप स्वयं को अज्ञानी क्यों कहते हैं?' सुकरात मुस्कुराए और बोले, 'तुम क्या जानते हो?' युवक ने गर्व से उत्तर दिया, 'मैं बहुत कुछ जानता हूं।' सुकरात ने पास पड़े घड़े की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यदि यह घड़ा पहले से भरा हो, तो क्या इसमें नया जल डाला जा सकता है?' युवक बोला, 'नहीं।' तब सुकरात ने शांत स्वर में कहा, 'यही कारण है कि मैं स्वयं को अज्ञानी कहता हूं, ताकि सीखने की जगह बनी रहे।' युवक कुछ देर चुप रहा और फिर बोला, 'तो क्या यही सच्ची बुद्धि है?' सुकरात ने उत्तर दिया, 'जो अपनी सीमाएं पहचान लेता है, वही आगे बढ़ने योग्य होता है।' उस दिन युवक ने समझा कि अहंकार ज्ञान को रोकता है, और विनम्रता ही सीखने का द्वार खोलती है।

दृष्टि कोण

युवा चेतना का अवसान

आज का समाज एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है जहाँ प्रगति की चकाचौंध तो है, पर संस्कार का प्रकाश लुप्तप्राय है। विडंबना यह है कि जिस युवा शक्ति के कंधों पर राष्ट्र के नवनिर्माण का भार था, वही आज 'स्वतंत्रता' के नाम पर परोसी जा रही 'मानसिक दासता' का शिकार हो चुकी है। समाज दिशाहीनता के उस भंवर में है, जहाँ कुरीतियों ने अपने अदृश्य पर बहुत गहरे जाल फैला दिए हैं। आधुनिकता के छद्म जाल में सिसकती हुई मर्यादा हो गई है। कुरीतियों का सूक्ष्म प्रहार और विवेक का अंत हो गया है। आज की कुरीतियां पुरानी रूढ़ियों जैसी नहीं हैं जो दूर से पहचानी जा सकें। ये आधुनिकता का चोला पहनकर आती हैं। सोशल मीडिया के 'ट्रेंड्स', 'लाइक' की भूख और वर्चुअल दुनिया की कृत्रिमता—ये दिखने में बहुत छोटी और निर्दोष लगती हैं, लेकिन इनका प्रभाव हमारे आज्ञाकारी युवाओं के मस्तिष्क पर इतना गहरा है कि उनका अपना मौलिक 'विवेक' मर चुका है। युवा अब वह नहीं सोचता जो सही है, वह वही करता है जो 'दिखाया' जा रहा है। चरित्रहीनता और अमर्यादित आचरण का उत्सव मनाया जाता है। मर्यादा, जो कभी भारतीय संस्कृति का आभूषण थी, उसे आज 'पिछड़ापन' घोषित कर दिया गया है। बड़ों का अनादर, अभद्र भाषा का प्रयोग और उच्छृंखल व्यवहार को 'कॉन्फिडेंस' और 'एटीट्यूड' का नाम देकर महिमामंडित किया जा रहा है। जब शिक्षा केवल जीविकोपार्जन का साधन मात्र रह जाए और उसमें योग दर्शन जैसी चारित्रिक दृढ़ता का अभाव हो, तो युवा उसी शक्ति की तरह हो जाता है जिसके पास बल तो है, पर दिशा देने वाला संस्कार नहीं। बन गया है।

सबसे भयावह स्थिति अश्लीलता की गिरफ्त है। मनोरंजन के नाम पर जो परोसा जा रहा है, उसने युवा मानस को वासना के उस गर्त में धकेल दिया है जहाँ से वापसी का मार्ग धुंधला है। यह अश्लीलता केवल नग्नता तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों की वह गंदगी है जो संबंधों की पवित्रता और स्त्री-पुरुष के गरिमापूर्ण आचरण को नष्ट कर रही है। युवा इस अश्लीलता की डोर में इतना कस चुका है कि उसे अपनी इस 'कैद' से ही प्यार होने लगा है। चकाचौंध का आकर्षण और नीतियों का षडयंत्र सर्वत्र व्याप्त हो गया है। आज का वातावरण केवल 'उपभोग' सिखाता है। बाज़ारवाद की नीतियां ऐसी बुनी गई हैं कि युवा को अपनी जड़ों से काटकर केवल बाहरी चमक-दमक का गुलाम बना दिया जाए। वह चमक जिसे वह 'सफलता' समझ रहा है, वास्तव में उसके पतन का मार्ग है। संस्कारहीनता का यह वायरस आज की दोषपूर्ण शिक्षा और दूषित परिवेश के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी फैल रहा है। न्यूरोसाइंस कोर्स का अध्ययन करना राष्ट्र पर दुष्प्रभाव जिससे नींव ढह रही है। युवा शक्ति का यह पतन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा है। जिस देश का युवा विवेकहीन, चरित्रहीन और अश्लीलता की डोर में जकड़ा हो, उस राष्ट्र की 'बौद्धिक संपदा' और 'सांस्कृतिक अस्मिता' धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। इसका सीधा परिणाम बढ़ते सामाजिक अपराधों, पारिवारिक विखंडन और राष्ट्रीय उत्पादकता में गिरावट के रूप में सामने आता है। जब राष्ट्र का 'यौवन' ही वासना के दलदल में धंसा हो, तो वह देश 'विश्वगुरु' बनने के बजाय केवल एक 'मानसिक गुलामों का बाज़ार' बनकर रह जाता है। यह दिशाहीनता हमारे देश को एक ऐसी वैचारिक दरिद्रता की ओर ले जा रही है, जिससे उबरने में कई सदियाँ लग सकती हैं। शिक्षा तो बिना आत्मा का शरीर जैसे प्रस्तुत हो रहा है। हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली केवल 'कौशल' सिखा रही है, 'चरित्र' नहीं। जहाँ योग दर्शन और व्यास भाष्य जैसे ग्रंथों की गहराई से जीवन जीना सिखाया जाना था, वहाँ आज केवल 'पैकेज' की दौड़ है।

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत में जीजा साला समेत 3 की मौत

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर जिले के ओगणा थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में जीजा-साला समेत तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा गोगुंदा-ओगणा मार्ग पर झाग गांव के पास करीब दो बजे हुआ। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद गोगुंदा से उदयपुर के एमबी अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार झाग गांव निवासी शंभूराम पुत्र होमाराम, छगनलाल पुत्र देवा गमेती और कुंती कालेवा निवासी बाटूराम पुत्र हुसा गरासिया एक ही बाइक पर सवार होकर झाग की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से ओगणा की तरफ से गोगुंदा आ रहे होनाराम पुत्र नवाराम की बाइक से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार उछलकर करीब 20 फीट दूर जा गिरे। हादसे में शंभूराम, छगनलाल और बाटूराम को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया।

पंजाब सरकार से टकराव बढ़ा, कर्मचारियों ने सामूहिक अवकाश का किया एलान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार तथा राज्य के कर्मचारियों के बीच टकराव बढ़ गया है। रविवार को लुधियाना में कई घंटे की बैठक के बाद कर्मचारी संगठनों ने पंजाब सरकार के विरूद्ध संघर्ष तेज करने का ऐलान कर दिया। पंजाब सरकार ने भी हड़ताली मुलाजिमों के आगे झुकने से इनकार करते हुए हाई कोर्ट के डीए देने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला लिया है। इससे पहले हड़ताली कर्मचारी भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर चुके हैं। पंजाब के कर्मचारी डीए के मामले में हाई कोर्ट में सिंगल और डबल बैंच पर केस जीत चुके हैं। रविवार को लुधियाना में हुई मीटिंग में मुलाजिमों के सांझा मुलाजम मंच ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से मांग की कि मुलाजिमों पर कार्रवाई की चिट्ठी 7 सितंबर तक वापस ली जाये। 6 सितंबर को जिला स्तर पर मीटिंग करने का फ़ैसला किया गया, जिसके बाद 8 सितंबर को पूरे राज्य में सामूहिक छुट्टी होगी। 12 और 13 सितंबर को कर्मचारी मंत्रियों के घरों के बाहर प्रदर्शन करेंगे। 10 अक्टूबर को संगरूर में एक बड़ी रैली भी तय की गई है। कर्मचारी 21 और 22 अक्टूबर को फिर से सामूहिक कैजुअल लीव पर जाएंगे। मुलाजिम संगठनों ने एक मुहिम का भी ऐलान किया। इस मुहिम का नाम *मुख्यमंत्री की चंडीगढ़ सचिवालय से गांव सतोज की वापसी* रखा है। संगठनों का कहना है कि इस मुहिम के जरिए मुख्यमंत्री को चंडीगढ़ सचिवालय से वापस उनके गांव सतोज भेजना है। मांगों को लेकर यह मुहिम लगातार जारी रहेगी। कर्मचारी यूनियन के प्रधान सुखचैन सिंह खैहरा व अन्य नेताओं ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री पर एक फिल्म आ रही है। सरकार कह रही है कि इस फिल्म को देखें, जबकि इस फिल्म का हम बॉयकॉट करते है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि चंडीगढ़ में मुलाजिम विधानसभा लगाई जाएगी। जहां 117 विधायकों और 13 लोकसभा के सदस्यों को निमंत्रण देंगे। उनकी कुर्सियां लगाई जाएंगी। उनसे मुलाजिमों और पेंशनरों की मांगों को लेकर सवाल किए जाएंगे। इसके अलावा सांझी तालमेल कमेटी ने फैसला लिया है कि संयुक्त किसान मोर्चे से संबंधित जत्थेबंदियों की ओर से विदेशी ट्रेड एग्रीमेंट के विरोध में 1 से 7 सितंबर तक चंडीगढ़ में लगाए जा रहे मोर्चे में मुलाजिम संगठन भी शामिल होंगे। यह लड़ाई का बिगुल है। उन्होंने कहा कि आज सैकड़ों जत्थेबंदियां पहुंचीं। इसमें 40 जत्थेबंदियां ऐसी हैं, जो किसी के साथ संबंधित नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरक संदेशों से राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को मिलती है नई ऊर्जा : रविशंकर प्रसाद

पटना (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने रविवार को बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 137वें एपिसोड को सुना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे और प्रधानमंत्री के विचारों एवं देशवासियों से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को उत्साहपूर्वक सुना। कार्यक्रम के बाद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का *मन की बात* कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों को एक सूत्र में जोड़ने वाला सशक्त जनआंदोलन बन चुका है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों की प्रेरक उपलब्धियों, जनभागीदारी और राष्ट्रनिर्माण के विभिन्न प्रयासों को देश के सामने रखते हैं। उन्होंने कहा कि *मन की बात* की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें देश के सामान्य नागरिकों की असाधारण उपलब्धियों और उनके प्रयासों को स्थान मिलता है। प्रधानमंत्री समाज के अलग-अलग वर्गों, क्षेत्रों और समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों का उल्लेख कर उन्हें पूरे देश के सामने प्रेरणा का स्रोत बनाते हैं। इससे देश के नागरिकों में कुछ बेहतर करने और राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका निभाने का भाव मजबूत होता है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *मन की बात* के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन, महिला सशक्तिकरण, युवा प्रतिभाओं और सामाजिक सरोकारों जैसे विषयों को निरंतर जनचर्चा का हिस्सा बनाया है। यह कार्यक्रम समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए जनभागीदारी के संकल्प को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट है कि देश का विकास केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से संभव है। *मन की बात* इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री के संदेशों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और सेवा एवं जनभागीदारी के कार्यों को और गति देने का आह्वान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मंत्री सिद्धार्थ शंभु, विधान परिषद सदस्य संजय मयूख, प्रदेश महामंत्री प्रीति शेखर एवं नितिन अभिषेक, प्रदेश उपाध्यक्ष हरिभूषण ठाकुर बचौल एवं प्रणव यादव, विधायक महेश पासवान, प्रदेश प्रवक्ता सुरेश रूंगटा, महिला आयोग की सदस्य पिंकी कुशवाहा, मृत्युंजय तिवारी, मुख्यालय प्रभारी अक्षय कुमार, प्रदेश प्रवक्ता सुहेली मेहता सहित प्रदेश के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उदयपुर में बढ़ रहा स्वाइन फ्लू का संक्रमण, रोजाना 2-3 नए मरीज मिल रहे

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर शहर में स्वाइन फ्लू के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इन दिनों रोजाना 2 से 3 नए संक्रमित सामने आ रहे हैं। बढ़ते मामलों को देखते हुए महाराणा भूपाल राजकीय अस्पताल और आरएनटी मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। अस्पताल के संक्रामक रोग वार्ड में 10 आइसोलेशन बेड रिजर्व किए गए हैं, जिनमें फिलहाल 3 पॉजिटिव मरीज भर्ती हैं। एमबी अस्पताल के नए आउटडोर परिसर में स्वाइन फ्लू की जांच के लिए अलग स्पेशल कॉर्नर बनाया गया है। यहां सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक संदिग्ध मरीजों के सैंपल लिए जा रहे हैं। सरकारी अस्पताल में स्वाइन फ्लू की जांच पूरी तरह निशुल्क है। निजी अस्पतालों में सामने आने वाले संदिग्ध मरीजों को भी जांच के लिए एमबी अस्पताल रेफर किया जा रहा है। अस्पताल में पिछले कुछ दिनों से सैंपलिंग का दबाव बढ़ा है। 27 अगस्त को लिए गए 11 सैंपलों में 2 मरीज पॉजिटिव मिले थे। 28 अगस्त को जांचे गए दोनों सैंपल भी पॉजिटिव आए। वहीं 29 अगस्त को 16 नए सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। इससे पहले रक्षाबंधन के दौरान भी दो मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। राजस्थान में जनवरी से अगस्त तक स्वाइन फ्लू के 146 मामले सामने आए हैं, जिनमें अकेले अगस्त में 55 मरीज पॉजिटिव मिले हैं। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने ओपीडी में सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार और गले में खराश वाले मरीजों की विशेष स्क्रीनिंग शुरू की है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने और संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है।

गहलोत का कार्यकर्ताओं को एकजुटता का संदेश

बोले, कांग्रेस के बोर्ड बनेंगे तो भाजपा की अक्ल आएगी ठिकाने

उदयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर जनविरोधी नीतियों, विकास कार्यों में कथित ठहराव और भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बन रहा है। गहलोत ने कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद छोड़कर चुनाव में मजबूती से जुटने का आह्वान किया। गहलोत ने टिकट वितरण को लेकर कहा कि टिकट उसी कार्यकर्ता को मिलना चाहिए, जो संबंधित वार्ड में मजबूत हो और जिसके जीतने की संभावना सबसे अधिक हो। उन्होंने कार्यकर्ताओं को चेताते हुए कहा कि अगर टिकट मिलने के बाद ही झगड़े शुरू हो जाएं तो बोर्ड कैसे बनेगा? बीजेपी वाले झगड़ा करवाने के लिए तैयार बैठे हैं। उन्होंने भाजपा पर परिसीमन में धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता के समर्थन से कांग्रेस के बोर्ड बनेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि निकाय चुनाव में अधिक से अधिक नगरपालिका, नगर परिषद और नगर निगमों में कांग्रेस के बोर्ड बनने चाहिए। उनके अनुसार कांग्रेस की जीत से भाजपा सरकार को अपनी कार्यशैली पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और जनहित से जुड़ी कई योजनाएं लागू की गई थीं, जिन्हें वर्तमान सरकार ने या तो बंद कर दिया या कमजोर कर दिया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 12 लाख पट्टे बांटे गए, जबकि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में बार-बार शिविर लगाने के बावजूद अपेक्षित संख्या में पट्टे नहीं दिए जा रहे हैं। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में सड़कों की खराब स्थिति, सीवरेज और पेयजल व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। गहलोत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय तैयार करवाई गई कई इमारतों का वर्तमान सरकार उद्घाटन तक नहीं कर पा रही है। गहलोत ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कहा कि कांग्रेस सरकार की आरजीएचएस योजना से लोगों को बड़े स्तर पर राहत मिल रही थी। उन्होंने दावा किया कि उस समय लाखों रुपए तक के उपचार, ऑपरेशन, दवाइयां और विभिन्न जांचें निशुल्क उपलब्ध थीं, लेकिन अब मरीजों से अस्पतालों में पैसे वसूले जा रहे हैं। उन्होंने महंगाई और राशन की उपलब्धता को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा कि जनता कांग्रेस सरकार के समय शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को याद कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र की भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान दबाव में हैं। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के हाथ मजबूत करने तथा स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को मजबूत करने की अपील की।

पंजाब पुलिस के कांस्टेबल की बदली किस्मत, राखी बंपर में जीते 7 करोड़ रुपए

फिरोजपुर (हिंस)। शहर में सामान्य रूप से लॉटरी का टिकट खरीदना पंजाब पुलिस के 28 वर्षीय कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह के लिए जिंदगी बदल देने वाला साबित हुआ। उनके खरीदे टिकट पर राखी बंपर ड्रॉ में 7 करोड़ रुपए का पहला पुरस्कार निकला है। फिरोजपुर जिले के गांव मालवाल कदियाम निवासी गुरप्रीत सिंह वर्ष 2022 में पंजाब पुलिस में कांस्टेबल भर्ती हुए थे। फिलहाल वह 112 आपातकालीन सेवा में तैनात हैं। उन्होंने सामान्य रूप से लॉटरी का टिकट खरीदा था। गुरप्रीत को रविवार सुबह गुरुद्वारा वाजिदपुर साहिब में सेवा करने के दौरान उनके खरीदे टिकट पर प्रथम पुरस्कार जीतने की जानकारी मिलते ही उनके परिवार में खुशी का माहौल बन गया। रिश्तेदार, दोस्त और गांव के लोग उन्हें बधाई देने के लिए घर पहुंचने लगे। गुरप्रीत सिंह साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता दर्शन सिंह रेलवे में ट्रेन गार्ड के पद पर कार्यरत रहे और वर्ष 2019 में सेवानिवृत्त हुए। गुरप्रीत चार भाई-बहनों में से एक हैं। उनकी दो बहनों की शादी हो चुकी है, जबकि उनका एक भाई भी है। गुरप्रीत ने इस जीत को सपने के सच होने जैसा बताया। उन्होंने कहा कि शहर जाने के दौरान उन्होंने सामान्य रूप से लॉटरी टिकट खरीदा था और कभी नहीं सोचा था कि इसी टिकट से उन्हें 7 करोड़ रुपए की राशि मिलेगी। उधर, जिस लॉटरी केंद्र से यह टिकट खरीदा गया था, वहां भी जश्न का माहौल है। उधम सिंह चौक स्थित एनके एजेंसी के मालिक त्रिलोक सिंह और उनकी टीम टिकट के प्रथम पुरस्कार जीतने से उत्साहित हैं। त्रिलोक सिंह ने कहा कि इस सीमावर्ती शहर में पहली बार किसी व्यक्ति ने इतनी बड़ी लॉटरी राशि जीती है।

रानी अवंतीबाई लोधी ने राजाओं और जमीदारों को अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष के लिए प्रेरित किया : राजनाथ सिंह

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ में जिला लोधी क्षत्रिय राजपूत सभा द्वारा आयोजित समारोह में 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की महान वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। सभी अतिथियों ने वीरांगना की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं सबसे पहले वीरांगना अवंतीबाई लोधी को नमन करता हूं। आज उनकी इस प्रतिमा का लोकार्पण करके मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। 1857 में स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम में उन्होंने जिस साहस के साथ अंग्रेजों का सामना किया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। उन्होंने न केवल अंग्रेजों के विरुद्ध स्वयं हथियार उठाए, बल्कि आसपास के और भी राजाओं और जमींदारों को संघर्ष के लिए प्रेरित किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि रानी अवंतीबाई लोधी ने अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में अपने राज्य की बागडोर संभाली और सुशासन के कीर्तिमान स्थापित किए। जब अंग्रेजों ने उनके राज्य को छलपूर्वक छीनने का प्रयास किया, तब उन्होंने झुकना स्वीकार नहीं किया। हमारे देश की वीरांगनाओं ने रणभूमि में भी अपना शौर्य दिखाया है और राजपाट में भी सुशासन के नए कीर्तिमान लिखे हैं। भारत की महिलाओं ने हर युग में अपनी क्षमता साबित की है। आज भारत की महिलाएं, सेना, पुलिस, विज्ञान, खेल, शिक्षा, प्रशासन और हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। रानी अवंतीबाई का जीवन यह संदेश देता है कि अन्याय के सामने कभी नहीं झुकना चाहिए। कभी भी, किसी भी कीमत पर, आत्मसम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए। और जब बात मातृभूमि की रक्षा की हो तो अपना सर्वस्व न्योछावर करने से भी नहीं डरना चाहिए। उन्होंने कहा रानी अवंतीबाई लोधी की यह प्रतिमा केवल उनकी स्मृति को संजोने भर का माध्यम नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों को, उनके शौर्य, स्वाभिमान, नेतृत्व और बलिदान की कहानी बताने का माध्यम भी है। राजनाथ सिंह ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने बाबासाहब डॉ भीमराव आंबेडकर से जुड़े पाँच स्थानों को *पंच तीर्थ* के रूप में विकसित किया है। महू से लेकर मुंबई तक, लंदन से लेकर नागपुर और दिल्ली तक, बाबासाहब के जीवन से जुड़े ये स्थान आज प्रेरणा के तीर्थ बन चुके हैं। रानी अवंतीबाई ने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि उनकी वीरता और उनके आदर्शों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। मैं मानता हूं कि यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। भारत की महिलाएं; सेना, पुलिस, विज्ञान, खेल, शिक्षा, प्रशासन और हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार का मानना है कि भारत अपने नायकों को पहचाने, उनका सम्मान करे, और उनकी विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाए। हमारा प्रयास है कि अतीत की वीरता की कहानियों से वर्तमान को आत्मविश्वास मिले और भविष्य के लिए मार्गदर्शन मिले।

जयपुर के दो केंद्रों पर नीट-पीजी की परीक्षा रद्द, अब पांच सितंबर को फिर होगी

जयपुर (हिंस)। डॉक्टर बनने के बाद विशेषज्ञता की अगली सीढ़ी चढ़ने के लिए रविवार को देशभर में नीट-पीजी की परीक्षा हुई, लेकिन जयपुर के करीब 2500 परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा का दिन तकनीकी अव्यवस्था और हंगामे में बदल गया। सीतापुरा स्थित आईओएन डिजिटल जोन के दो परीक्षा केंद्रों पर आंतरिक विद्युत आपूर्ति में खराबी के कारण कंप्यूटर प्रणालियां बार-बार बंद होती रहीं। नाराज अभ्यर्थियों ने केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। हालात बिगड़ने के बाद प्रभावित केंद्रों की परीक्षा रद्द कर दी गई और अब इन अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा पांच सितंबर को कराई जाएगी। देशभर में रविवार को नीट-पीजी का आयोजन 1,111 परीक्षा केंद्रों पर 2.63 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए किया गया। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों ने लंबे समय से तैयारी की थी, लेकिन जयपुर के सीतापुरा केंद्र पर तकनीकी खराबी ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दीं। परीक्षा केंद्र संख्या 41682 और 41683 पर पंजीकृत अभ्यर्थियों को परीक्षा के दौरान लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ा। अभ्यर्थियों का आरोप है कि परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू होनी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण कई अभ्यर्थियों की परीक्षा करीब 10 बजे शुरू हो सकी। इसके बाद भी कंप्यूटर प्रणालियों ने साथ नहीं दिया। परीक्षार्थियों का दावा है कि करीब दो घंटे के दौरान कई बार कंप्यूटर बंद हुए। कुछ अभ्यर्थियों की स्क्रीन पर तीन-चार प्रश्न दिखाई दिए और उसके बाद प्रणाली बंद हो गई, जबकि कुछ अभ्यर्थियों के कंप्यूटर पर पांच-छह प्रश्न आने के बाद फिर से समस्या पैदा हो गई। बार-बार कंप्यूटर बंद होने से अभ्यर्थियों का परीक्षा का समय और एकाग्रता दोनों प्रभावित हुए। परीक्षा के बीच कई परीक्षार्थियों ने केंद्र के अधिकारियों को बुलाने की मांग की, लेकिन उनके अनुसार तत्काल प्रभावी समाधान नहीं किया गया। तकनीकी गड़बड़ी के बीच कुछ अभ्यर्थियों ने परीक्षा की गोपनीयता को लेकर भी सवाल उठाए। कुछ अभ्यर्थियों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि पूरी परीक्षा प्रक्रिया की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जानी चाहिए। हालांकि, परीक्षा में अनियमितता या प्रश्नपत्र से जुड़ी किसी गड़बड़ी की पुष्टि आधिकारिक तौर पर नहीं हुई है। फिलहाल सामने आई समस्या को तकनीकी और आंतरिक विद्युत आपूर्ति में खराबी से जोड़ा गया है। परीक्षा समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी केंद्र के बाहर जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने पुलिस से शिकायत करने और विरोध जारी रखने की बात कही, तो उन्हें कार्रवाई की चेतावनी दी गई। अभ्यर्थियों का कहना था कि परीक्षा में हुई परेशानी का जवाब मांगना उनका अधिकार है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड ने प्रभावित अभ्यर्थियों को राहत देते हुए दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया है।

नेपाल बाढ़ त्रासदी : भारत ने तेज किया राहत अभियान 108 भारतीयों को बचाया

नई दिल्ली (हिंस)। नेपाल के भोटेकोशी क्षेत्र में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत ने बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। अब तक 108 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है, जबकि पहले संपर्क से बाहर हुए करीब 50 अन्य भारतीयों से दोबारा संपर्क स्थापित कर लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपदा के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री से बात कर गहरी संवेदना व्यक्त की थी और हरसंभव मानवीय सहायता का भरोसा दिलाया था। इसके बाद विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने भी नेपाल के विदेश मंत्री से बातचीत की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चीन से नेपाल की ओर पिछले दो दिनों में 598 भारतीय नागरिक सुरक्षित पहुंचे हैं। चीन की ओर करीब 900 भारतीय सुरक्षित और संपर्क में हैं। हालांकि, 275 से अधिक भारतीय नागरिक और 128 भारतीय मूल के लोग अब भी लापता हैं। मंत्रालय के अनुसार, भारत ने नेपाल की सहायता के लिए अब तक तीन भारतीय वायुसेना विमानों से करीब 57.5 टन राहत सामग्री पहुंचाई है। इनमें अस्थायी आश्रय, टेंट, कंबल, दवाइयां, भोजन, स्वच्छता किट, सोलर लैंप, पानी निकालने वाले पंप और बिजली उपकरण शामिल हैं। भारतीय सेना के सुरंग बचाव और चिकित्सा दल भी प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किए गए हैं। एक और विमान विशेष सुरंग बचाव टीम, फॉरेंसिक विशेषज्ञों और राहत सामग्री के साथ काठमांडू भेजा जा रहा है। भारत ने जरूरत पड़ने पर एनडीआरएफ की सहायता, बेली ब्रिज और तकनीकी टीमों की मदद भी उपलब्ध कराने की पेशकश की है। भारत ने कहा है कि इस कठिन समय में वह नेपाल के साथ मजबूती से खड़ा है और जरूरत के अनुसार हरसंभव सहायता जारी रखेगा।

शुद्धिकरण के नाम पर छुआछूत किसी भी रूप में स्वीकार नहीं : अनुपम

सुपौल (हिंस)। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के साथ हुई कथित अपमानजनक घटना के विरोध में रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक आयोजित की गई। बैठक में *शुद्धिकरण-छुआछूत का दूसरा नाम* के संदेश के साथ सामाजिक भेदभाव और जातिवादी मानसिकता के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष सुरेश चौपाल के संयोजन में आयोजित बैठक में विभाग के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के अलावा जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम ने कहा कि जाति के आधार पर किसी व्यक्ति के साथ भेदभाव करना और उसके बाद *शुद्धिकरण* जैसी सोच को बढ़ावा देना संविधान की मूल भावना का अपमान है। महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित स्वतंत्रता आंदोलन के महान नेताओं ने समानता और सामाजिक समरसता वाले भारत का सपना देखा था। ऐसे भारत में जाति के आधार पर किसी व्यक्ति को छोटा-बड़ा मानने की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय, समानता और दलित-वंचित समाज के सम्मान की लड़ाई लगातार लड़ती रही है। ऐसी घटनाओं के खिलाफ पार्टी लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष सुरेश चौपाल ने कहा कि किसी व्यक्ति के किसी स्थान पर जाने के बाद कथित रूप से *शुद्धिकरण* किया जाना केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, मानवीय गरिमा और संविधान की मूल भावना पर प्रहार है। उन्होंने कहा कि 8 अगस्त 2026 को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली आयोजित हुई थी। उनके अनुसार, इसके दो दिन बाद भाजपा समर्थित तत्वों द्वारा स्थल पर गंगाजल का छिड़काव कर *शुद्धिकरण* कराया गया। चौपाल ने कहा कि खरगे ने 13 अगस्त को इस मुद्दे को संसद में उठाया, जिसके बाद कांग्रेस ने देशभर में विरोध दर्ज कराया। सुरेश चौपाल ने आरोप लगाया कि घटना के बावजूद जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि 25 अगस्त को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कथित *शुद्धिकरण* का बचाव किए जाने के बाद कांग्रेस का विरोध और तेज हुआ है। बैठक में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कहा कि छुआछूत केवल सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि संविधान द्वारा स्थापित समानता और मानवीय गरिमा की भावना के भी खिलाफ है। कार्यकर्ताओं ने सामाजिक भेदभाव के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने और संविधान के मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अनुपम, अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष सुरेश चौपाल, संतोष कुमार, तनवीर आलम, शाहनवाज, महादेव शर्मा, नीतू देवी, अर्जुन शर्मा चौपाल, विनोद राम, मनोज शर्मा, राजीव, चंदन पासवान, सुनील कुमार राम, जयानंद सरदार, संत कुमार ठाकुर, सुनीता देवी, अमित कुमार सहित कांग्रेस के पदाधिकारी, नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फिरोजपुर में आम आदमी पार्टी नेता की गोलियां मारकर हत्या

फिरोजपुर (हिंस)। फिरोजपुर के ममदोट इलाके में आम आदमी पार्टी (आप) के एक नेता गुरप्रीत सिंह की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसका एक साथी हरप्रीत सिंह घायल हो गया। बाइक पर सवार होकर आए नकाबपोश हमलावरों ने कार में बैठे तीन लोगों और दो मोटरसाइकिल सवारों पर गोलियां चला दीं। घटना की सूचना मिलने के बाद फिरोजपुर के एसएसपी भूपिंदर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में मामले के पीछे चुनावी रंजिश होने का शक सामने आया है। एसएसपी के मुताबिक पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने कथित हमलावरों की पहचान कर ली है, हालांकि फिलहाल इस संबंध में अधिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

वित्त वर्ष 2028 बजट की तैयारी शुरू, पश्चिम एशिया संकट और सब्सिडी दबाव से चुनौतियां

मंत्रालयों को व्यय के सटीक अनुमान प्रस्तुत करने के निर्देश

नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2028 के लिए केंद्रीय बजट बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रक्रिया पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक संकट, बढ़ती सब्सिडी के बोझ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच शुरू हुई है, जो आगामी बजट के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश कर रही है।

वित्त मंत्रालय ने सभी संबंधित मंत्रालयों और विभागों को वित्त वर्ष 2027 के संशोधित अनुमानों और वित्त वर्ष 2028 के लिए वास्तविक बजट अनुमान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मंत्रालयों को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि उनके व्यय अनुमान सटीक हों ताकि साल के मध्य में अतिरिक्त बजट मांगों से बचा जा सके।

सूत्रों के मुताबिक, सभी आवंटन सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अनुरूप होने चाहिए। मंत्रालय 12 अक्टूबर, 2026 से कृषि, एमएसएमई, उद्योग और सामाजिक क्षेत्र जैसे विभिन्न हितधारकों और उद्योगों के साथ अपनी वार्षिक बजट पूर्व परामर्श शुरू करने की भी योजना बना रहा है। सामान्य परंपरा के अनुसार, कृषि क्षेत्र के साथ पहली बैठक होने की संभावना है। पश्चिम एशिया में चल रहा संकट इस बजट प्रक्रिया के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इसने उर्वरक, एलएनजी और रसायन सहित कई वस्तुओं की कीमतों को बढ़ा दिया है, जिनकी ढुलाई प्रमुख रूप से होर्मुज स्ट्रेट से होती है। वित्त वर्ष 2027 के लिए उर्वरक सब्सिडी का आधे से अधिक (लगभग 1.77 लाख करोड़ रुपये) पहले ही खर्च हो चुका है।

इसी तरह, उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य और गेहूं व धान की बढ़ी हुई खरीद के कारण खाद्य सब्सिडी भी वित्त वर्ष 2027 के अनुमान 2.28 लाख करोड़ रुपये को पार कर 2.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

सीजीए के आंकड़ों के अनुसार, केंद्र सरकार को इस वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में अपने कुल प्राप्तियों के बजट अनुमान का लगभग 29 प्रतिशत प्राप्त हुआ है, जबकि कुल व्यय का 25.4 प्रतिशत खर्च किया गया है। पूंजीगत व्यय के मोर्चे पर, सरकार ने पहले तीन महीनों में अनुमानित 12.21 लाख करोड़ रुपये का लगभग 28 प्रतिशत खर्च किया है।

न्यूज ब्रीफ

नई पीढ़ी की पल्सर 125 और पल्सर 150 बाइक लान्च

नई दिल्ली। अपनी नई पीढ़ी की पल्सर 125 और पल्सर 150 मोटरसाइकिलों को भारत में बजाज आटो ने लान्च कर दिया है। इन बाइक्स में बिल्कुल नया इंजन, मोनोशाक रियर सस्पेंशन, आधुनिक एलईडी लाइटिंग, कनेक्टेड इंस्ट्रूमेंट कंसोल और बजाज की विशेष क्राल टेक शामिल हैं। नई पल्सर 125 की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 92,990 रुपये है, जबकि पल्सर 150 की शुरुआती कीमत 1,15,233 रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। दोनों माडलों में बिल्कुल नए इंजन दिए गए हैं, जो बेहतर रिफाइनमेंट, परफार्मेंस और दक्षता प्रदान करते हैं। पल्सर 125 का इंजन 12 पीएस की पावर और 11.4 एनएम का टार्क देता है, वहीं पल्सर 150 का इंजन 14 पीएस की पावर और 14.1 एनएम का टार्क जनरेट करता है। बजाज का दावा है कि ये इंजन कम स्पीड पर शहर में ड्राइविंग और ओवरटेक करने के लिए पर्याप्त लो-एंड टार्क देते हैं। पुराने ट्विन-शाक सेटअप की जगह अब मोनोशाक रियर सस्पेंशन दिया गया है। हाई वेरिएंट्स में 5-इंच का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट कंसोल मिलता है, जो गूगल नेविगेशन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी (एंड्राइड और आईओएस), डिजिटल डाक्यूमेंट सेविंग और लाइव काल/मैसेज अलर्ट जैसे फीचर्स को सपोर्ट करता है। निचले वेरिएंट्स में कलर्ड एलसीडी कंसोल मिलता है, और अधिकांश वेरिएंट्स में यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग स्टैंडर्ड है। क्राल टेक एक विशेष सुविधा है जो बाइक को बिना थ्राटल दिए कम स्पीड पर चलने में मदद करती है, जिससे ट्रैफिक में बार-बार क्लच और एक्सीलरेटर का उपयोग कम हो जाता है।

सुभाष चंद्रा दिवालिया मामला : एनसीएलटी के फैसले के खिलाफ बैंक एकजुट

मुंबई। एस्सेल ग्रुप के संस्थापक सुभाष चंद्रा से जुड़े दिवालिया मामले में नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल

(एनसीएलटी) के एक विवादास्पद फैसले ने वित्तीय संस्थानों को एकजुट कर दिया है। एनसीएलटी ने चंद्रा के उस रिपेमेंट प्लान को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत लेनदारों के 22,000 करोड़ रुपये से अधिक के स्वीकृत दावों के मुकाबले उन्हें केवल 6.25 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव है। सार्वजनिक और कुछ निजी क्षेत्र के कई वित्तीय संस्थानों ने इस फैसले को अव्यावहारिक और गैर-कानूनी बताते हुए नेशनल कंपनी ला अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसरएनएटी) में चुनौती देने का ऐलान किया है। कैनरा बैंक, यूनियन बैंक आफ इंडिया और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस जैसे प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस भुगतान योजना का खुलकर विरोध किया था। इन बैंकों ने लेनदारों की बैठक में योजना के खिलाफ मतदान भी किया, लेकिन निजी लेनदारों के बहुमत में पक्ष में वोट करने के कारण इसे एनसीएलटी से मंजूरी मिल गई। 22,000 करोड़ से अधिक के दावे के बदले 6.25 करोड़ के प्रस्ताव पर आपत्ति कैनरा बैंक द्वारा फोरेंसिक आडिट की मांग भी कम वोटिंग हिस्सेदारी के चलते खारिज हो गई थी। एलआईसीएचएफएल ने एनसीएलटी के सामने अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि 1,322 करोड़ रुपये से अधिक के उसके स्वीकृत दावे के मुकाबले प्रस्तावित 38 लाख रुपये की रकम बेहद कम है, जो अव्यावहारिक और कानून के खिलाफ है। एचडीएफसी ने भी इस सेटलमेंट का विरोध कर प्लान के खिलाफ वोट किया था। यह मामला सुभाष चंद्रा के खिलाफ व्यक्तिगत गारंटर के तौर पर इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस द्वारा शुरू की गई दिवालिया कार्यवाही से जुड़ा है। अब सभी आपत्ति जताने वाले बैंक एनसीएलएटी से न्याय की गुहार लगाएंगे।

मेटा की भारत प्रमुख संध्या देवनाथन ने छोड़ी कंपनी, देवनाथन ओपनएआई से जुड़ीं; सिंगापुर से संभालेंगी कमान

नई दिल्ली। मेटा की भारत प्रमुख संध्या देवनाथन करीब 10 साल बाद कंपनी छोड़ने जा रही हैं। वह अब

ओपनएआई से जुड़ेंगी। यहां उन्हें दक्षिण-पूर्व एशिया और आस्ट्रेलिया की उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इस नई भूमिका में वह सिंगापुर में रहेंगी और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रबंध निदेशक किरण मणी को रिपोर्ट करेंगी। यह ओपनएआई में बनाई गई नई भूमिका है। देवनाथन के जिम्मे दक्षिण-पूर्व एशिया और आस्ट्रेलिया में ग्राहकों की संख्या बढ़ाना, कंपनियों में ओपनएआई की सेवाओं का इस्तेमाल बढ़ाना और दूसरी कंपनियों के साथ साझेदारी करना होगा। इसके अलावा सरकारी नियमों से जुड़े मामलों और इन दोनों क्षेत्रों में कंपनी के कामकाज की जिम्मेदारी भी उनके पास होगी। संध्या देवनाथन ने 2016 में मेटा जाइन की थी। उस समय सिंगापुर में कंपनी के करीब 300 कर्मचारी थे।

टेमासेक ने एयर इंडिया में एसआइए के निवेश पर खड़े सवालों का किया खंडन

टेमासेक ने कहा, यह लंबी अवधि की रणनीतिक साझेदारी

नई दिल्ली

सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक ने एयर इंडिया में अपनी हिस्सेदारी के संबंध में सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) के निवेश फैसले का समर्थन किया है। यह समर्थन ऐसे समय आया है जब एयर इंडिया द्वारा करीब 1.5 अरब डालर की नई पूंजी जुटाने की खबर के बाद सिंगापुर में इस निवेश की व्यवहार्यता को लेकर सवाल खड़े हो गए थे। टेमासेक, जो एसआईए की सबसे बड़ी शेयरधारक है, ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए इसे एक लंबी अवधि की रणनीतिक साझेदारी करार दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, एयर इंडिया ने अपने दोनों मालिकों- टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से लगभग 1.5 अरब डालर (लगभग 12,500 करोड़ रुपये) की नई पूंजी की मांग की है। सिंगापुर एयरलाइंस के पास एयर इंडिया की 25.1 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि शेष 74.9 फीसदी हिस्सेदारी टाटा संस के पास है। इस खबर के सामने आने के बाद सिंगापुर में इस निवेश को लेकर बहस छिड़ गई। सिंगापुर की विपक्षी वर्कर्स पार्टी के सांसद केनेथ टियोंग ने चिंता व्यक्त की कि भारतीय एयरलाइन को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए टेमासेक के धन का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यहां के एक स्थानीय अखबार में छपी एक टिप्पणी में सवाल उठाया गया कि क्या सिंगापुर एयरलाइंस के लिए एयर इंडिया में अपनी 25.1 फीसदी हिस्सेदारी बेचना आसान होगा, और इस हिस्सेदारी से एसआईए को बोर्ड में एक सीट और कंपनी के नुकसान में हिस्सेदारी के अलावा कितना फायदा मिल रहा है। हालांकि, टिप्पणी में यह भी स्वीकार किया गया कि एयर इंडिया में निवेश के पीछे की रणनीतिक वजहें अभी भी मजबूत हैं। इन चिंताओं के जवाब में टेमासेक की पोर्टफोलियो डेवलपमेंट की संयुक्त प्रमुख जूलियट टियो ने स्पष्ट किया कि टेमासेक सिंगापुर एयरलाइंस के एयर इंडिया में निवेश को लंबी अवधि के नजरिए से देखता है और इस फैसले का पुरजोर समर्थन करता है। उन्होंने स्वीकार किया कि एयर इंडिया को नया रूप देना एक आसान काम नहीं है और इसमें कई साल लग सकते हैं।

महिंद्रा स्कार्पियो लाइफस्टाइलर पिकअप दौड़ेगी अब विदेशी सड़कों पर

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अब महिंद्रा स्कार्पियो लाइफस्टाइलर पिकअप के साथ वैश्विक बाजारों में अपनी पैठ मजबूत करने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य साउथ अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, मिडिल ईस्ट और लैटिन अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ाना है। यह नया पिकअप, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिंद्रा लाइफस्टाइलर के नाम से जाना जाएगा, अप्रैल 2027 तक लान्च होने वाला है। कंपनी के आटो और फार्म सेक्टर्स के ईडी और सीईओ राजेश के अनुसार, यह पिकअप पूरी तरह से वैश्विक प्लेटफार्म पर विकसित किया गया है, और महिंद्रा आसियान देशों में भी प्रवेश करने पर विचार कर रही है, जहां पिकअप की भारी मांग है। यह नया पिकअप केवल विदेशी ग्राहकों के लिए ही नहीं, बल्कि भारतीय बाजार के लिए भी महत्वपूर्ण है, जहां एडवेंचर और कैंपिंग के शौकीनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। महिंद्रा का मानना है कि यह लाइफस्टाइलर पिकअप ऐसे ग्राहकों के लिए एक आदर्श विकल्प होगा। इसके साथ ही, महिंद्रा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेगमेंट में भी शानदार प्रदर्शन कर रही है, पिछले 16-17 महीनों में कंपनी की कुल एसयूवी बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 0 प्रतिशत से बढ़कर सीधे 12 प्रतिशत पर पहुंच गई है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 57,472 इलेक्ट्रिक चार-पहिया वाहन बेचे, जो पिछले वर्ष की तुलना में चार गुना अधिक है। महिंद्रा बीई 6, एक्सईवी 9ई और एक्सईवी 9एस जैसी इलेक्ट्रिक कारों के सफल लान्च के बाद, अब कंपनी इस महीने के अंत तक बीई 6 स्पोर्टेक को भी बाजार में लाने जा रही है।

सैमसंग करेगी गैलेक्सी एस27 अल्ट्रा के डिजाइन में परिवर्तन

नई दिल्ली

पिछले कुछ समय से अपने मौजूदा डिज़ाइन को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग गैलेक्सी एस27 अल्ट्रा के डिजाइन में परिवर्तन करने जा रही रही है। गैलेक्सी एस27 अल्ट्रा के पिछले हिस्से में मौजूद कैमरा डिज़ाइन में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, सैमसंग अब तक अपनाई जा रही अलग-अलग कैमरा रिंग वाली डिज़ाइन भाषा को छोड़कर एक कैमरा बार या प्लेटो डिज़ाइन की ओर बढ़ सकती है। इस नए डिज़ाइन में तीन कैमरा सेंसर एक बड़े, क्षैतिज माड्यूल में एक साथ संरेखित होंगे।

यह प्रस्तावित डिज़ाइन वर्तमान गैलेक्सी एस26 सीरीज़ से काफी अलग होगा, जिससे यह तुरंत अगली पीढ़ी के स्मार्टफोन के रूप में पहचाना जा सकेगा।

यह बदलाव केवल सौंदर्यपरक (एस्थेटिक) नहीं है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि सैमसंग इस नए कैमरा माड्यूल स्पेस का बेहतर उपयोग क्यूआई2 मैग्नेटिक वायरलेस चार्जिंग और अन्य मैग्नेटिक एक्सेसरीज़ को एकीकृत करने के लिए करना चाहती है।

यदि फोन में मैग्नेट को प्रभावी ढंग से जोड़ा जाता है, तो उपयोगकर्ताओं को मैग्नेटिक चार्जर और संगत एक्सेसरीज़ के लिए अलग केस पर निर्भर रहने की आवश्यकता कम हो सकती है, जिससे उपयोगकर्ता अनुभव में उल्लेखनीय सुधार होगा।

कैमरा स्पेसिफिकेशन्स की बात करें तो, गैलेक्सी एस-27 अल्ट्रा में अपग्रेडेड कैमरा सेंसर आने की संभावना है। इसमें 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड कैमरा और 50 मेगापिक्सल का 5एक्स टेलीफोटो कैमरा शामिल हो सकता है। साथ ही, फ्रंट कैमरे को भी 16 मेगापिक्सल सेंसर और आटोफोकस के साथ बेहतर बनाने की बात सामने आई है। एक रिपोर्ट में अल्ट्रा माडल से सेकेंडरी टेलीफोटो कैमरा को हटाने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है, जिसका असर कैमरा माड्यूल के डिज़ाइन और आंतरिक लेआउट पर पड़ेगा।

एनबीएफसी का ऐलान: वित्तवर्ष 26 के लिए 500 फीसदी डिविडेंड की सिफारिश

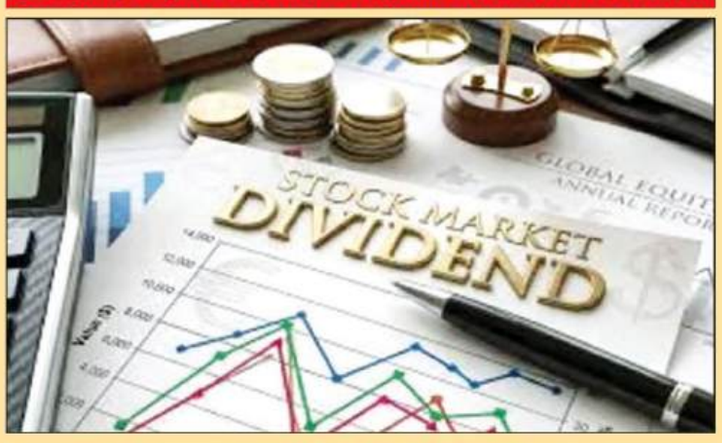

मुंबई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बंगाल एंड असम कंपनी लिमिटेड ने अपने निवेशकों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 हेतु हर इक्विटी शेयर पर 50 रुपये के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है। यह डिविडेंड फेस वैल्यू का 500 फीसदी है, जो निवेशकों के लिए एक बड़ी खबर है। डिविडेंड की पूरी बात कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले हर इक्विटी शेयर पर 50 रुपये के डिविडेंड की सिफारिश की है, जो 500 फीसदी बैठता है। हालांकि, इस डिविडेंड का भुगतान तभी होगा जब आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारक इसे मंजूरी देंगे। मंजूरी मिलने के बाद, डिविडेंड की रकम एजीएम खत्म होने की तारीख से तीन से चार सप्ताह के भीतर शेयरधारकों के खातों में भेज दी जाएगी। रिकार्ड डेट और एजीएम कंपनी ने डिविडेंड के लिए 1 सितंबर, 2026 को रिकार्ड डेट निर्धारित की है। इसी तारीख के आधार पर यह तय किया जाएगा कि किन शेयरधारकों को डिविडेंड का भुगतान किया जाएगा। बंगाल एंड असम कंपनी की वार्षिक आम बैठक 8 सितंबर, 2026 को होगी, जहां वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 50 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड प्रस्ताव पर शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी।

रूस की रिफाइनरियों पर यूक्रेनी हमलों का असर: भारत ने बढ़ाई पेट्रोल सप्लाई; दो महीने में भेजा 10 लाख बैरल ईंधन

नई दिल्ली

यूक्रेनी ड्रोन हमलों से रूस की कई रिफाइनरियों में ईंधन उत्पादन प्रभावित होने के बीच भारत रूस के लिए पेट्रोल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हो गया है। शिप-ट्रैकिंग आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में रूस के समुद्री रास्ते से पेट्रोल आयात में रिकार्ड बढ़ोतरी हुई है।

रूस को भारत से कितनी पेट्रोल सप्लाई हुई

ऊर्जा विश्लेषण कंपनी वार्टेक्सा के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में रूस ने समुद्र के रास्ते करीब 1.25 लाख बैरल प्रतिदिन पेट्रोल आयात किया। पूरे महीने के हिसाब से यह मात्रा करीब 4.70 लाख टन बैठती है। व्यापार सूत्रों के मुताबिक, पिछले दो महीनों में भारतीय रिफाइनरों ने रूस को करीब 10 लाख बैरल पेट्रोल की आपूर्ति की है। इसमें मुख्य भूमिका गुजरात की वाडिनार रिफाइनरी की रही, जिसका संचालन नायरा एनर्जी करती है। कंपनी में रूस की रोसनेफ्ट की करीब आधी हिस्सेदारी है।

यूक्रेनी हमलों से रूस में क्यों बढ़ी पेट्रोल की जरूरत - रूस दुनिया के बड़े कच्चे तेल निर्यातकों में शामिल है, लेकिन यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने उसकी घरेलू रिफाइनिंग क्षमता को प्रभावित किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन हमलों के चलते रूस का घरेलू पेट्रोल उत्पादन कुछ समय में 70 फीसदी तक घटा है। इससे देश के भीतर पेट्रोल की

कमी बढ़ी और मास्को को घरेलू मांग पूरी करने के लिए विदेशों से पेट्रोल मंगाना पड़ा। रूस ने ईंधन की घरेलू उपलब्धता बनाए रखने के लिए पेट्रोल बिक्री पर कुछ प्रतिबंध भी लागू किए हैं। वार्टेक्सा के मुताबिक, जुलाई और अगस्त के दौरान रूस की रिफाइनरियों पर 32 हमले हुए, यानी औसतन लगभग हर दूसरे दिन एक हमला।

भारत का रूस से कच्चे तेल का कारोबार भी बढ़ा - 2022 के बाद से भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई है। रूस भारत के लिए कच्चे तेल के प्रमुख स्रोतों में शामिल हो गया है, जिसका इस्तेमाल पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन बनाने में होता है। आंकड़ों के अनुसार, जून और जुलाई में भारत ने रूस से प्रतिदिन 26 लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल खरीदा। यह फरवरी में दर्ज करीब 10 लाख बैरल प्रतिदिन की तुलना में काफी ज्यादा है और भारत के कुल कच्चे तेल आयात का आधे से अधिक हिस्सा रहा। ऐसी संभावना जताई गई है कि रूस को भेजा गया कुछ पेट्रोल रूसी कच्चे तेल से ही तैयार किया गया हो।

प्रदूषण फैलाने वाले दोपहिया वाहनों के लिए लिम्प-होम मोड जल्द

तय सीमा से अधिक उत्सर्जन पर खुद-ब-खुद धीमी हो जाएगी रफ्तार

नई दिल्ली

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और दोपहिया वाहन उद्योग एक नई व्यवस्था पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत भारत स्टेज-6 (बीएस-6) के दूसरे चरण के तय उत्सर्जन मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को लिम्प-होम मोड में डाला जा सकेगा। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस प्रणाली में वाहन की रफ्तार इतनी कम हो जाएगी कि चालक उसे वर्कशाप तक तो ले जा पाएगा, लेकिन उसका सामान्य इस्तेमाल असंभव हो जाएगा। यह कदम वाहनों से होने वाले प्रदूषण को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। यह व्यवस्था आन-बोर्ड डायग्नास्टिक्स (ओबीडी) सिस्टम में शामिल की जाएगी।

ओबीडी वाहन में लगा एक निगरानी तंत्र होता है जो उत्सर्जन नियंत्रित करने वाले पुर्जों में खराबी का पता लगाता है और उसकी वजह से तय सीमा से अधिक उत्सर्जन होने पर चालक को आगाह करता है। यदि उस खराबी के कारण उत्सर्जन निर्धारित सीमा से ऊपर चला जाता है, तो प्रस्तावित फोर्स रिपेयर मोड सक्रिय हो जाएगा, जिससे वाहन का सामान्य इस्तेमाल तब तक मुश्किल होगा, जब तक उसकी मरम्मत नहीं कराई जाती।

वाहन निर्माताओं के संगठन सायम ने प्रस्ताव दिया था कि चालक को गाड़ी की मरम्मत के लिए विवश करने वाली यह व्यवस्था भविष्य के बीएस-7 उत्सर्जन मानकों (जो 2027 से लागू होने की संभावना है) के साथ लागू की जाए। सायम ने तर्क दिया था कि इसे लागू करने के लिए काफी तकनीकी कार्य की आवश्यकता होगी।

हालांकि, मंत्रालय ने इस अनुरोध को खारिज कर दिया है और स्पष्ट किया है कि यह बीएस-6 ओबीडी-2 का पहले से ही हिस्सा है और इसे बीएस-7 तक टालना उचित नहीं होगा। वर्तमान में भारत में बीएस-6 उत्सर्जन मानक लागू है और 1 अप्रैल, 2025 से बने वाहनों पर बीएस-6 ओबीडी-2 लागू किया गया है।

इन मानकों के तहत, पेट्रोल से चलने वाला दोपहिया वाहन प्रति किलोमीटर अधिकतम 1,900 मिलीग्राम कार्बन मोनोआक्साइड, 250 मिलीग्राम नान-मीथेन हाइड्रोकार्बन और 300 मिलीग्राम नाइट्रोजन आक्साइड उत्सर्जित कर सकता है। पेट्रोल डायरेक्ट-इंजेक्शन इंजन वाले दोपहिया से 1 किलोमीटर के सफर में अधिकतम 50 मिलीग्राम पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) उत्सर्जित करने की अनुमति है। यह मुद्दा आटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड 137 के तहत ओबीडी-2-बी आवश्यकताओं पर चर्चा के दौरान सामने आया, जिसका उद्देश्य प्रदूषण नियंत्रण और तत्काल निगरानी में अधिक सख्ती लाना है।

मैदान बदले, मंजिल नहीं...: अनाहत-मनिका से श्वेता-सिमरन तक, बेटियों ने खेलों में गढ़ी नई पहचान और बनीं प्रेरणा

नई दिल्ली

राजधानी की बेटियां अब खेल के मैदान में सिर्फ पदकों के पीछे नहीं, बल्कि अपनी मेहनत और जज्बे से नई पहचान गढ़ रही हैं। 2025-26 का खेल सत्र ऐसी खिलाड़ियों की कहानियों से भरा है, जिन्होंने स्क्वैश, टेबल टेनिस, क्रिकेट और रग्बी में दिल्ली का नाम रोशन किया।

इन खिलाड़ियों ने विपरीत परिस्थितियों को पीछे छोड़ते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। किसी ने घंटों अभ्यास कर तकनीक को निखारा तो किसी ने चोट और चुनौतियों के बावजूद मैदान पर वापसी की। इनकी उपलब्धियां केवल पदकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि शहर की दूसरी बेटियों के लिए प्रेरणा भी बन रही हैं। परिवार और कोच के सहयोग के साथ इन खिलाड़ियों ने अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर मेहनत को अपनी सफलता का मंत्र बनाया।

खेल विशेषज्ञों का मानना है कि दिल्ली में महिला खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रशिक्षण मिलने से आने वाले वर्षों में ऐसी प्रतिभाओं की संख्या और बढ़ेगी। ये बेटियां साबित कर रही हैं कि अवसर मिले तो वे हर मैदान में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

देश को पहला विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनाया – अनाहत सिंह दिल्ली की 18 वर्षीय स्क्वैश खिलाड़ी ने जुलाई 2026 में इतिहास रचते हुए भारत को पहला विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनाया। कनाडा में हुए फाइनल में उन्होंने मिस्र की रुकय्या सलेम को हराकर खिताब अपने नाम किया। जूनियर विश्व चैंपियनशिप पर लंबे समय से मिस्र के खिलाड़ियों का दबदबा था। अनाहत अब जूनियर स्तर से आगे बढ़कर सीनियर सर्किट और 2028 ओलंपिक की तैयारियों पर ध्यान दे रही हैं। फिलहाल वे अपने आने वाले टूर्नामेंट के लिएलगातार मेहनत कर रहीं हैं।

टेबल टेनिस में खुद को किया साबित – मनिका बत्रा ने टेबल टेनिस में दिल्ली की पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया है। मार्च में आईटीटीएफ विश्व कप में उन्होंने अमेरिका की लिली झांग को हराया। भारतीय टीम में एशियन गेम्स के लिए जगह नहीं मिलने के बावजूद मनिका ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिस्पर्धा जारी रखी और युवा खिलाड़ियों के बीच खुद को लगातार साबित करने की चुनौती स्वीकार की।

घरेलू क्रिकेट से आगे बढ़कर अंडर-19 टीम में पहुंचीं – क्रिकेट में श्वेता सहरावत दिल्ली की नई पीढ़ी की प्रमुख प्रतिभाओं में हैं। दिल्ली की घरेलू क्रिकेट से आगे बढ़कर उन्होंने भारत की अंडर-19 टीम में अपनी पहचान बनाई और अब सीनियर स्तर पर भी आगे बढ़ रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रिया पूनिया के तूफानी शतक से साउथ दिल्ली की बड़ी जीत, ईस्ट दिल्ली को 70 रन से हराया

नई दिल्ली। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने महिला दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 70 रन से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए मुकाबले में साउथ दिल्ली की जीत की सबसे बड़ी नायिका सलामी बल्लेबाज प्रिया पूनिया रहीं, जिन्होंने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। प्रिया पूनिया ने महज 66 गेंदों पर 117 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी में 13 चौके और छह छक्के शामिल रहे। पूनिया ने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और ईस्ट दिल्ली के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। उन्होंने मैदान के चारों ओर शानदार शाट लगाए और नियमित अंतराल पर बाउंड्री हासिल करते हुए रन गति को तेज बनाए रखा। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से दूसरे छोर पर मौजूद बल्लेबाजों को भी खुलकर खेलने का मौका मिला। पूनिया की शानदार पारी के दम पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 180 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया और ईस्ट दिल्ली राइडर्स के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साउथ दिल्ली के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाकर राइडर्स को दबाव में रखा। इससे 14वें ओवर तक ईस्ट दिल्ली की टीम ने 61 रन तक पांच विकेट खो दिये।

महिला हाकी वर्ल्ड कप : अर्जेंटीना ने तीसरी बार खिताब जीता, पैनाल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को 3-1 से हराया

एम्सटलवीन। अर्जेंटीना ने नौ बार की विजेता डच टीम नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच हाकी विश्वकप जीत लिया है। दोनो ही टीमों के बीच ये मुकाबला बेहद कड़ा रहा और तय समय में परिणाम नहीं निकलने के बाद इसका फैसला पैनाल्टी शूटआउट में हुआ। इसी के साथ ही अर्जेंटीना ने तीसरी बार विश्वकप जीता है। अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी यह खिताब जीता था। वही डच टीम का लगातार चौथा विश्व कप जीतने का सपना टूट गया। अर्जेंटीना ने इसी के साथ ही पिछली बार नीदरलैंड से मिली करारी हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। फाइनल मुकाबला तय समय तक 1-1 से बराबरी पर रहा। डच टीम की ओर से जैनसेन यिब्बी ने मैच के 30वें मिनट पर पहला गोल किया। इसके बाद अर्जेंटीना की ओर से ग्रनाटो मारिया ने 54वें मिनट में एक गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया। बढ़ा। पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना की खिलाड़ियों ने काफी अच्छा खेल देखाते हुए डच टीम को 3-1 से हरा दिया। अर्जेंटीना के लिए विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने एक-एक गोल किये।

बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कर सकता हूं : वैभव

नई दिल्ली। 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने कहा है कि वह बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कर सकते हैं। दलीप ट्राफी 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वह बल्लेबाजी में विफल रहे थे पर गेंदबाजी में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वैभव ने उन्हें गेंदबाजी का अवसर मिलने को लेकर मजाकिया अंदाज में कहा कि ब मैच के दौरान विपक्षी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे और टीम को सफलता की तलाश थी, तब उन्हें दो-तीन ओवर गेंदबाजी करने के लिए कहा गया। उस समय कप्तान ईशान किशन को शायद लगा होगा कि उन्हें गेंदबाजी देना एक जोखिम भरा फैसला है पर उन्हें यह नहीं पता था कि वह एक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। उन्होंने कहा, अगर किसी बल्लेबाज से पूछा जाए तो वह बताएगा कि उसे गेंदबाजी करने में मजा आता है जबकि गेंदबाज को बल्लेबाजी करने में। दोनों को एक दूसरे काम का आनंद मिलता है। उन्होंने बताया कि गेंदबाजी के दौरान उनके मन में यही था कि चाहे वह कितने भी विकेट ले लें, उन्हें कुछ ओवर ही गेंदबाजी करनी है। इसलिए उन्होंने मिले हुए मौकों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की, जिसका फल दो महत्वपूर्ण विकेटों के रूप में मिला। बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद गेंदबाजी के जरिए टीम के लिए योगदान देना वैभव को काफी संतोषजनक लगा। उनके अनुसार, एक बल्लेबाज के लिए विकेट लेना भी बेहद रोमांचक अनुभव होता है और उन्होंने अपने द्वारा लिए गए दोनों विकेटों का पूरा आनंद लिया। यह युवा खिलाड़ी की खेल भावना और हर हाल में टीम की जीत में योगदान देने की इच्छा को दर्शाता है।

यूपी टी20 लीग : कानपुर ने नोएडा को 8 विकेट से हराया, समीर रिजवी ने खेली तूफानी पारी

कानपुर

कानपुर सुपरस्टार्स ने समीर रिजवी की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर यूपी टी20 लीग 2026 के 25वें मुकाबले में नोएडा किंग्स को आठ विकेट से हरा दिया। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मुकाबले में रिजवी ने महज 39 गेंदों पर नाबाद 91 रन की विस्फोटक पारी खेलकर कानपुर को शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ कानपुर की प्लेआफ की उम्मीदें भी मजबूत बनी हुई हैं, जबकि नोएडा किंग्स को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

प्लेयर आफ द मैच चुने गए रिजवी ने अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। उनके साथ अभिषेक पांडे ने भी नाबाद 30 रन की पारी खेली। दोनों की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत कानपुर ने 129 रन के लक्ष्य को महज 10.4 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारी बारिश के कारण मुकाबला देर से शुरू हुआ, जिसके बाद ग्रीन पार्क के ग्राउंड स्टाफ ने शानदार काम करते हुए मैच को 12-12 ओवर का कर दिया। नोएडा किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती ओवरों में तेज शुरुआत की। शोएब सिद्दीकी ने 10 गेंदों पर 20 और माधव कौशिक ने महज 11 गेंदों पर 31 रन बनाकर टीम को 2.2 ओवर में 45/0 तक पहुंचा दिया।

हालांकि, इसके बाद कानपुर के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की। यशोवर्धन सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में महज 10 रन देकर तीन विकेट हासिल किए और एक मेडन ओवर भी डाला। उनकी शानदार गेंदबाजी के कारण नोएडा किंग्स का स्कोर जल्द ही 69/5 हो गया। इसके बाद कप्तान प्रशांत वीर ने मोर्चा संभाला और 27 गेंदों पर नाबाद 50 रन की शानदार पारी खेलकर नोएडा किंग्स को 12 ओवर में 128/6 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 129 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कानपुर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे समीर रिजवी ने मोर्चा संभाला और आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नोएडा के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। रिजवी ने अभिषेक पांडे के साथ मिलकर टीम को 8 दिन शेष रहते जीत दिला दी। रिजवी ने 39 गेंदों पर नाबाद 91 रन और अभिषेक पांडे ने 17 गेंदों पर नाबाद 30 रन की पारी खेली।

मैच के बाद रिजवी ने बताया कि टूर्नामेंट की शुरुआत में लगी उंगली की चोट के कारण वह शुरुआती एकादश में शामिल नहीं हो पा रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्ररक्षण के दौरान उंगली पर गेंद लगने से दर्द बढ़ जाता था और इसका असर बल्लेबाजी पर भी पड़ रहा था। ऐसे में टीम प्रबंधन के साथ चर्चा के बाद उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया गया।

रिजवी ने कहा, पहले मैच में कैच लेते समय मेरी उंगली में चोट लग गई थी। इसके बाद क्षेत्ररक्षण के दौरान काफी परेशानी हो रही थी। मैंने प्रबंधन से कहा कि मैं इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलना चाहता हूं, क्योंकि क्षेत्ररक्षण के दौरान उंगली पर गेंद लगने से दर्द बढ़ जाता था और बल्लेबाजी में भी परेशानी होती थी।

रिजवी ने पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की रणनीति अपनाई। उन्होंने कहा कि 12 ओवर के छोटे मुकाबले में पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाना बेहद जरूरी था। उनके मुताबिक, अगर शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बना लिए जाएं तो बाद में लक्ष्य को नियंत्रित करना आसान हो जाता है। रिजवी ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा कि वह स्कोरबोर्ड के दबाव के बारे में नहीं सोच रहे थे। उनका लक्ष्य सिर्फ उसी अंदाज में बल्लेबाजी करना था, जिस तरह वह सामान्य तौर पर खेलते हैं। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ यही सोच रहा था कि अपना खेल खेलूंगा और उसी तरह अंत तक बल्लेबाजी करूंगा। मुझे पांच रन चाहिए हों या 50, मैंने पहले ही अपना माइंडसेट तय कर लिया था। मैं यह नहीं सोच रहा था कि दूसरे छोर पर कौन बल्लेबाजी कर रहा है या कोई मेरा साथ दे रहा है या नहीं। मुझे खुद पर भरोसा था कि मुझे ही रन बनाने हैं। रिजवी ने टीम के कार्यवाहक कप्तान आदर्श सिंह की कप्तानी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नोएडा की तेज शुरुआत के बावजूद आदर्श ने गेंदबाजी में अच्छे बदलाव किए और टीम को मुकाबले में वापस लाए। उनके मुताबिक, विकेट बल्लेबाजी के लिए आसान था, लेकिन कप्तान ने परिस्थितियों को अच्छी तरह संभाला और नोएडा को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।

क्रोएशियाई फुटबालर लुका मोड्रिक अगले एक साल तक मिलान में ही रहेंगे

रोम

क्रोएशियाई फुटबालर लुका मोड्रिक अब साल 2027 तक इटली के क्लब एसी मिलान के साथ ही रहेंगे। मोड्रिक ने क्लब के साथ अपने अनुबंध को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इसी के साथ ही अब मोड्रिक जून 2027 तक मिलान की ओर से खेलेंगे। सितंबर में 41 साल के होने जा रहे इस क्रोएशियाई खिलाड़ी का यह फैसला उनके असाधारण खेल भावना और मैदान पर बने रहने की उनकी अटूट इच्छा को दर्शाता है।

गौरतलब है कि पिछले साल, मोड्रिक ने स्पेनिश टीम रियल मैड्रिड के साथ अपने 13 साल के करार को तोड़कर मिलान से करार किया था। वहीं रियल के साथ अनुबंध समाप्त होने के बाद उन्होंने नए अध्याय की शुरुआत की थी। एसी मिलान के लिए अपने पहले सत्र में उन्होंने कुल 37 मुकाबले खेले और दो अहम गोल किये। हालांकि, टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, और वह सेरी ए में पांचवें स्थान पर रही जबकि कोपा इटालिया में अंतिम-16 दौर से आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बावजूद, मोड्रिक का अनुभव और मैदान पर उनकी उपस्थिति टीम के लिए काफी लाभदायकर रही।

मोड्रिक ने पहले फीफा विश्व कप 2026 के बाद संन्यास की बात कही थी पर अब उन्होंने क्लब फुटबाल के साथ ही बने रहना तय किया है। मिलान ने अपने बयान में मोड्रिक के करार बढ़ाने की पुष्टि करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। क्लब ने कहा कि मिडफील्ड में आने के बाद से, मोड्रिक ने अपने अपार अनुभव, अथक मेहनत और अद्वितीय खेल कौशल से टीम को लगातार मजबूती दी है। वे आने वाले सत्र में भी टीम के लिए एक अहम भूमिका निभाएंगे और नंबर-14 की अपनी जर्सी में नजर आयेंगे। वह साल 2012 में इंग्लैंड के टोटेनहम हाटस्पर से रियल मैड्रिड आए थे, जहाँ उन्होंने शुरुआती मुश्किलों के बावजूद अपने क्लब इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में अपने को साबित किया। रियल मैड्रिड के लिए उन्होंने लगभग 600 मैच खेले और करीब 30 बड़े खिताब अपने नाम किए, जिनमें छह यूईएफए चैंपियंस लीग ट्राफी और चार ला लीगा खिताब शामिल हैं।

उनकी उपलब्धियों में 2018 का बैलन डीओर पुरस्कार शामिल है। उन्होंने लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के एक दशक से अधिक समय के दबदबे को तोड़कर यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया था। मैदान पर उनकी शानदार पासिंग क्षमता, गेंद पर बेहतरीन नियंत्रण और खेल को गहराई से समझने की उनकी अनूठी कला उन्हें दुनिया के सबसे बेहतरीन मिडफील्डर बनाती है।

बहन एरिका से प्रभावित रही है मीरा एंड्रीवा

न्यूयार्क। रुस की महिला टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने अपनी सफलता का श्रेय बड़ी बहन एरिका एंड्रीवा को दिया है। साथ ही कहा कि एरिका उनकी आदर्श रही हैं। वह हमेशा से ही उसका उत्साह बढ़ाती रही है। मीरा ने कहा कि एरिका के साथ बड़े होने से उन्हें एक टेनिस खिलाड़ी के रूप में निखरने में सहायता मिली है। मीरा ने बताया, मुझे लगता है कि मुझे ज्यादा लाभ हुआ क्योंकि मैं छोटी हूं। टेनिस के लिहाज से, मुझे उतने टूर्नामेंट नहीं खेलने पड़े जितने उन्होंने खेले, और शायद इससे मेरा कुछ समय बच गया। वह हमेशा स्कूल में मेरी मदद करती थीं और मुझे बहुत सारी सलाह देती थी। मैं हमेशा उनकी नकल करती थी, क्योंकि वह मेरी आदर्श थी और अब भी हैं। यह दिखाता है कि कैसे छोटी बहन को बड़ी बहन के अनुभवों से सीखने और गलतियों से बचने का अवसर मिला, जिससे मीरा को अपने करियर की शुरुआत में ही एक मजबूत नींव मिली। गौरतब है कि पेशेवर टेनिस में एंड्रीवा बहनों ने कभी भी प्रतिस्पर्धा को अपने रिश्ते पर प्रभाव डालने नहीं होने दिया। मीरा ने जोर देकर कहा, हम कभी भी एक-दूसरे के साथ सच में प्रतिस्पर्धी नहीं थीं।

अपने खेल पर ही ध्यान दें युवा प्रतिभाएं अवसर अपने आप मिलेंगे : सूर्यकुमार

मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उभरती हुई युवा प्रतिभाओं से कहा है कि वे अपने खेल पर ही ध्यान दे क्योंकि अगर उनका प्रदर्शन अच्छा रहेगा तो टीम में अवसर अपने आप मिल जाएंगे। सूर्यकुमार के अनुसार चयनकर्ताओं की नजरें बेहतर खिलाड़ियों की तलाश में लगी रहती हैं। इसलिए इन खिलाड़ियों को अपने चयन को लेकर चिन्ता नहीं करनी चाहिये।

सूर्यकुमार ने युवा प्रतिभाओं से किसी और से अपनी तुलना न करने की भी अपील की क्योंकि कोई किसी अन्य की तरह नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, मैं युवाओं से अपील करूंगा कि वे अपनी तुलना किसी और से न करें क्योंकि हर किसी की कहानी अलग होती है और हर किसी का एक अलग अंदाज होता है। यह टिप्पणी उन दबावों को दिखाती है जिनका सामना युवा खिलाड़ी आम तौर पर दूसरों की सफलता को देखकर करते हैं।

सूर्यकुमार ने इस दौरान अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया, जब उन्होंने घरेलू क्रिकेट में कड़ी मेहनत की, ट्रेन से कई यात्राएं कीं और बड़े मंच पर अपने अवसर का काफी समय तक इंतजार किया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट प्रणाली में मौजूद भारी दबाव पर भी बात की, जहां अक्सर युवा खिलाड़ियों को लगता है कि उन्हें बहुत कम उम्र में ही उच्चतम स्तर पर पहुंचना है, अन्यथा उनका करियर समाप्त हो जाएगा।

उन्होंने कहा, भारत में, ज्यादातर लोग सोचते हैं कि अगर आप 21 या 25 साल की उम्र तक कहीं नहीं पहुंचे, तो आपका करियर खत्म हो गया और आपको कोई दूसरा विकल्प चुनना पड़ सकता है। हालांकि, सूर्यकुमार ने कहा कि ये धारणा गलत है। उन्होंने कहा, , उम्र कभी भी किसी खिलाड़ी की किस्मत तय नहीं करती। मुझे लगता है कि उम्र कोई आधार नहीं है, सबसे महत्वपूर्ण बात आपकी तैयारी है। यह संदेश उम्र को सफलता की बाधा मानने वाले युवाओं के लिए एक बड़ी राहत है।

सूर्यकुमार ने युवाओं से अपने कौशल को लगातार बेहतर बनाने और अपनी प्रगति के प्रति प्रतिबद्ध रहने की सलाह दी, खासकर तब जब कोई उन्हें देख न रहा हो। उनका मानना है कि यही लगन और निरंतर प्रदर्शन चयनकर्ताओं का ध्यान खींचता है। आपका प्रदर्शन ही चयनकर्ताओं का ध्यान आपकी तरफ खींचता है, उन्होंने स्पष्ट किया। उन्होंने अपने करियर का ही उदाहरण दिय है। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में लगातार शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद, उन्हें भारतीय टीम में अवसर 31 साल की अपेक्षाकृत अधिक उम्र में मिला था। इस देरी के बावजूद, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी योग्यता साबित की और टी20 फार्मेट में लंबे समय तक दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने रहे। उनके उल्लेखनीय करियर में लगातार दो टी20 विश्व कप जीतना भी शामिल है—2024 में एक खिलाड़ी के रूप में और 2026 में भारतीय टीम के कप्तान के रूप में, जो उनकी दृढ़ता और प्रतिभा का प्रमाण है।

अगले माह छह मुकाबले खेलेगी भारतीय टीम, विराट और रोहित भी खेलते दिखेंगे

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम को अगले माह सितंबर में करीब छह मुकाबले खेलने हैं, जिससे प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज भी इस दौरान खेलते हुए दिखेंगे। इसे अलावा उभरते खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी भी उतरेंगी। इस माह भारतीय टीम दो देशों से द्विपक्षीय सीरीज और एक मल्टी-नेशन टूर्नामेंट भी खेलेगी।

शुरुआत अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ होगी। ये सभी मुकाबले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे और शाम 7:00 बजे से इनका सीधा प्रसारण होगा। सीरीज का पहला मैच 13 सितंबर 2026 को होगा, जिसके बाद 15 और 17 सितंबर को दूसरा और तीसरा टी20 मैच खेला जाएगा। यह सीरीज भारतीय टीम के टी20 विश्वकप की तैयारियों को देखते हुए महत्वपूर्ण होगी, खासकर युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा और वे अपनी जगह पक्की करने के प्रयास करेंगे। वहीं महीने के अंत में भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय के पहले दो मुकाबलों में खेलेगी। सीरीज का पहला एकदिवसीय 27 सितंबर 2026 को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में दोपहर 2:00 बजे से खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा एकदिवसीय मैच 30 सितंबर 2026 को डा. भूपेन हजारिका क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। ये एकदिवसीय मुकाबले 2026 के सीमित ओवरों के क्रिकेट कैलेंडर में भारत की स्थिति को मजबूत करने में सहायक होंगे, और खिलाड़ियों के पास अपनी फार्म को आंकने का सुनहरा अवसर होगा। इन द्विपक्षीय सीरीज के बीच, भारतीय टीम 2026 एशियाई खेलों के टी20 क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भी हिस्सा लेगी। यह महत्वपूर्ण मैच 28 सितंबर 2026 को जापान के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा। कुल मिलाकर, सितंबर 2026 में भारतीय टीम 6 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी, जिसमें चार टी20 और दो एकदिवसीय मुकाबले शामिल हैं। यह महीना क्रिकेट प्रेमियों के लिए नान-स्टाप एक्शन और रोमांच लेकर आएगा, जहाँ उन्हें भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट के बजाय केवल सीमित ओवरों के प्रारूप में ही मैदान पर देखने का मौका मिलेगा।

टेढ़े-मेढ़े दांतों से ऐसे पाएं छुटकारा...

खुश होने पर हंसी अपने आप ही हमारे चेहरे पर दस्तक देती है। कभी-कभी यह हंसी आउट ऑफ कंट्रोल हो जाती है और हंसते समय दांत बाहर आ जाते हैं लेकिन उस समय बहुत बुरा लगता है जब हमारे टेढ़े-मेढ़े दांतों पर सबकी नजर पड़ती है। टेढ़े-मेढ़े दांत पर्सनैलिटी पर काफी नेगटिव इम्पैक्ट डालती है। फीचर कितने भी शार्प क्यों न हो खराब और टेढ़े दांत सब पर पानी फेर देते हैं।

इसके अलावा टेढ़े दांतों की वजह से बोल-चाल के कुछ शब्दों, जिसका उच्चारण करते समय हमें दातों का सहारा लेना पड़ता है, में रूकावट आती है। वहीं ऐसे दांतों को साफ करने में भी परेशानी होती हैं क्योंकि ब्रश ठीक ढंग से एडजैस्ट नहीं हो पाता। जाहिर सी बात है कि अगर दांतों पर ढंग से ब्रश नहीं होगा तो गंदगी जमा होगी जो बाद में दांतों के खराब होने का कारण बनती है। इसलिए टेढ़े-मेढ़े दांतो से छुटकारा पाना बहुत जरूरी है।

तार लगाकर सीधा करना

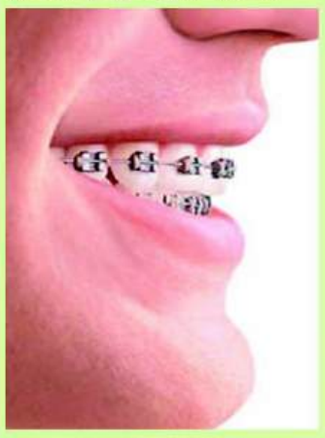

दांतों में फिक्स्ड ब्रेसिज या तार लगाकर इन्हें सीधा किया जाता है। तार टेम्परारी या पर्मानेंट, दोनों तरह से ही लगाई जाती है। स्थाई तौर पर तार लगाने से दांतों पर दबाव डाला जाता है, जिससे दांत सही जगह पर सेट हो जाएं। इलाज के बाद मरीज को च्युइंगम, टॉफी और चॉकलेट जैसी चीजें नहीं खानी चाहिएं तथा मीठे और ज्यादा ठंडे खाद्य पदार्थों का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए। वैसे तो किसी भी उम्र में आप टेढ़े दांतों का इलाज करवा सकते हैं लेकिन अगर इसका इलाज जल्दी हो तो बेस्ट है क्योंकि कम उम्र में जबड़े मुलायम रहते हैं। इलाज के परिणाम शीघ्र सामने आते हैं।

ट्रीटमेंट के बाद

टेढ़े-मेढ़े दांतों के ट्रीटमेंट के बाद उसे ऐसे ही न छोड़ दें क्योंकि इसके बाद उनके सरकने और टेढ़े होने की आशंका बनी रहती है इसलिए समय समय पर डाक्टर से सलाह लेते रहें। बच्चे को हर छः महीने के बाद डैंटिस्ट के पास लेकर जाएं ताकि उनकी आदतों जैसे कि अंगूठा चूसना, जींभ से बार-बार अपने ऊपरी दांतों को धकेलना, दांतों से होंठ अथवा गाल काटते रहना आदि आदतें जो दांतों को टेढ़ा-मेढ़ा करती हैं,को हटाया जा सकें।

मुंह से सांस लेना

अगर किसी बच्चे में मुंह से सांस लेने की आदत है तो भी इस आदत को दूर किया जाना चाहिए क्योंकि इस आदत की वजह से ऊपर वाले आगे के दांत बाहर की तरफ आने लगते हैं। अगर बच्चे के दूध वाले दांत नहीं गिरे लेकिन पास की जगह पर पक्के दांत निकलने लगे हैं तो बच्चे को डैंटिस्ट के पास ले जाकर दूध के दांत निकलवाएं नहीं तो पक्के दांत वहीं फिक्स हो जाएंगे।

हर छह माह में चेक कराएं

अगर आप सोचते हैं कि डैंटिस्ट के पास जाकर टेढ़े-मेढ़े दांतों के बारे में बात करने का कोई फायदा नहीं है। यह बिल्कुल गलत हैं। आप नियमित रूप से हर छः महीने बाद बच्चों को डैंटिस्ट के पास जाकर दांत चैक करवाते रहें। अगर कुछ प्रॉबल्म होगी तो वह साथ-साथ ठीक होती रहेगी।

कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

एड़ियों के दर्द में दवाई के साथ परहेज जरूरी

दिनभर की भागदौड़ से लोगों में एड़ी का दर्द होना आजकल एक सामान्य समस्या बन गई है। यह किसी दवाई या किसी एक उपाए से ठीक नही हो सकता है। इसके लिए दवाओं के साथ परहेज करना बहुत जरूरी है। एड़ियों का दर्द पुरूष हो या महिला किसी को भी हो सकता है। एड़ी में दर्द की प्रमुख वजह हैं अधिक ऊंची हील के जूते और सैंडल है। हड्डी के बढ़ने से भी एड़ियों में दर्द हो सकता है।

ज्यादा संवेदनशील होने की बीमारी...

दुनिया में कई लोगों को छोटी छोटी बातों से बहुत फर्क पड़ता है। ऐसे लोग कुछ खास चीजों जैसे रोशनी या तेज आवाज को लेकर बहुत संवेदनशील होते हैं। पहले उन्हें सिर्फ संवेदनशील कहा जाता था मगर अब अमरीका समेत कई देशों में हुए रिसर्च के बाद ऐसे लोगों के ज्यादा संवेदनशील होने को एक बीमारी बताया जा रहा है। इस बीमारी का नाम सेंसरी प्रॉसेसिंग डिसॉर्डर या एसपीडी है। कुछ लोग किसी के कदमों की आहट या शोर-गुल से परेशान हो जाते हैं। वे चीखने लगते हैं। कुछ लोग तेज रोशनी को बर्दाश्त नहीं कर पाते। ऐसी परेशानी के शिकार लोगों में ज्यादातर बच्चे होते हैं। इस बीमारी का नाम पहले पहले अमरीका के डॉक्टर ज्यां आयर्स ने रखा था। उन्होंने 1960 में इसका नाम सेंसरी इंटीग्रेशन डिसॉर्डर रखा था। ज्यां आयर्स की छात्रा रही लूसी जेन मिलर ने ज्यां के इस बीमारी के बारे में रिसर्च को आगे बढ़ाया। उन्होंने इस बीमारी की तीव्रता नापने के लिए कुछ पैमाने भी ईजाद किए हैं।

अलग होता है दिमाग

रिसर्च में पता चला है कि एसपीडी की जड़ें दिमाग में होती हैं। इस बीमारी के शिकार लोगों का दिमाग आम लोगों के दिमाग से अलग होता है। दिमाग के इस हिस्से की मदद से हम आवाज, रोशनी और छुअन को महसूस करते हैं। एसपीडी से पीड़ित लोगों के दिमाग का यही हिस्सा कम विकसित होता है। एक और बात साफ हुई है कि एसपीडी का सीधा ताल्लुक ऑटिज्म नाम की बीमारी से होता है क्योंकि 90 फीसद मरीजों में ऑटिज्म के लक्षण पाए गए।

अहसास से बेहाल

वैसे किसी खास चीज से परेशानी नई बात नहीं। बहुत से बच्चे रोशनी या आग या शोर-गुल से घबराकर चीखने लगते हैं। एक सर्वे के मुताबिक सोलह फीसद बच्चे ऐसी परेशानी की शिकायत अपने माता-पिता से करते हैं। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ उनकी यह दिक्कत दूर हो जाती है। लेकिन कुछ लोग अपने अहसास से बेहाल रहते हैं। असल में हमारे एहसास, हमें बाकी दुनिया से रूबरू कराते हैं। वो हमें दुनिया दिखाते हैं। आवाजें सुनाते हैं।

छुअन को महसूस कराते हैं। होता यह है कि हमारा दिमाग इन संकेतों को पकड़कर इसे हमें महसूस कराता है। कुछ लोगों को दूसरों को खुश या परेशान देखकर उनके सुख-दुख का एहसास हो जाता है। ऐसे लोगों को ऑर्किड कहा जा रहा है। उनको जरा सी बात चुभ जाती है। वे दुःख भरी खबर सुनकर रोने लगते हैं। कोई मजेदार सीरियल देखते वक्त उनकी हंसी है कि रुकती ही नहीं। उन्हें पार्टियों से ज्यादा किताबों का शौक होता है।

भावों को गहराई से नापना

संवेदनशील लोग, भावों को ज्यादा गहराई से नापते हैं। बातों या चीजों को लेकर वे बहुत संवेदनशील होते हैं। दूसरों से उन्हें तुरंत हमदर्दी हो जाती है। ऐसे बेहद संवेदनशील लोग किसी भी हालात को आराम से समझते हैं। तब उस पर कोई प्रतिक्रिया देते हैं। वे आस-पास के माहौल को लेकर भी काफी चौकन्ने रहते हैं। उनके ऊपर दूसरों के मूड तक का असर पड़ता है। पता चला है कि दुनिया के बीस फीसद लोग ज्यादा संवेदनशील होते हैं। बच्चे दो तरह के होते हैं। एक तो वे जो हर माहौल में ढल जाते हैं। मजे करते हैं। दूसरे वो बच्चे, जिन्हें आगे बढ़ने के लिए एक खास माहौल चाहिए।

क्या है इलाज

एक सवाल वहीं का वहीं है, कि आखिर एसपीडी के शिकार लोग कहां फिट बैठते हैं? लोगों में सेंसिटिव प्रॉसेसिंग डिसऑर्डर का पता लगने के बाद अगला कदम उनके इलाज का होता है। इसका मकसद उनके अहसास कम करना नहीं होता बल्कि कोशिश यह होती है कि आम माहौल में वो कम तकलीफ के साथ रह सकें। जिंदगी में आगे बढ़ सकें। एसपीडी पीड़ितों का इलाज दवाओं के साथ ही साथ कंप्यूटर गेम वगैरह से भी किया जा रहा है। फिलहाल तो एसपीडी पर काम कर रहे रिसर्चर और इसके शिकार लोग, इसे एक बीमारी का दर्जा दिलाने, इसके बारे में लोगों को जागरूक करने में जुटे हैं।

पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना...

कई बार आपने अपने सफेद रंग की शर्ट में अंडरआर्म्स की तरफ पीले रंग के दाग देखे होंगे। ऐसा कलर्ड स्वेट के कारण होता है। कलर्ड स्वेट मतलब रंग वाला पसीना। सामान्य तौर पर इंसान को पारदर्शी-रंगहीन पसीना निकलता है लेकिन कई लोगों को पीला या ऑरेंज रंग का पसीना निकलता है जिससे कपड़े में पसीने के दाग पड़ जाते हैं। रंग वाले पसीने के निकलने को विज्ञान में क्रोमहिड्रोसिस कहते हैं। इसमें पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना भी निकल सकता है।

अनूठी बीमारी

क्रोमहिड्रोसिस एक अनूठी बीमारी है जिसमें कलर्ड स्वेट निकलता है। दो ग्लैंड, एक्रीन और एपोक्रीन, की वजह से पसीना निकलता है। एक्रीन ग्लैंड से रंगहीन और गंधहीन पसीना निकलता है जो शरीर का तापमान रेग्युलेट करता है। एपोक्रीन ग्लैंड से मोटा और दुधिया रंग का पसीना निकलता है। ऐसा बैक्टीरिया को शरीर से निकालने के कारण होता है। इस कारण ही पसीने से बदबू आती है।

लिपोफस्कीन पिगमेंट

क्रोमहिड्रोसिस, एपोकरीन ग्लैंड से निकलने वाले पसीने के कारण होता है। एपोक्रीन ग्लैंड योनि, कांख, स्तनों और चेहरे के स्कीन के तरफ होती हैं। क्रोमहिड्रोसिस चेहरे, कांख और स्तनों के तरफ निकलने वाले पसीने में होता है। लिपोफस्कीन पिगमेंट कलर्ड स्वेट के लिए जिम्मेदार होता है। यह पंगमेंट एपोक्रीन ग्लैंड में होता है जिसके कारण पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना निकलता है।

बीमारियों में महंगी दवाइयों के स्थान पर आजमाएं चिरायता

जुलाई से लेकर सितंबर-अक्टूबर तक का समय बीमारियों के लिहाज से नाजुक होता है, इन दिनों बीमारियों से बचने के लिए महंगी दवाओं के स्थान पर घरेलू नुस्खे आजमाएं।

इन्हीं घरेलू नुस्खों में एक है अनमोल चिरायता। बरसों से हमारी दादी-नानी कड़वे चिरायते से बीमारियों को दूर भगाती रही हैं, आप भी जानें इसके बारे में...

दरअसल यह कड़वा चिरायता एक प्रकार की जड़ी बूटी है जो कुनैन की गोली से अधिक प्रभावी होती है। पहले इस चिरायते को घर में सूखा कर बनाया जाता था लेकिन आजकल यह बाजार में कुटकी चिरायते के रूप में उपलब्ध है।

घर में चिरायता बनाने की विधि

100 ग्राम सूखी तुलसी के पत्ते का चूर्ण, 100 ग्राम नीम की सूखी पत्तियों का चूर्ण, 100 ग्राम चिरायते की सूखी टहनी का चूर्ण लीजिए। इन तीनों को समान मात्रा में मिलाकर एक बड़े डिब्बे में भर कर रख लीजिए।

यह तैयार चूर्ण मलेरिया या अन्य बुखार होने की स्थिति में दिन में तीन बार दूध से सेवन करें। मात्र दो दिन में आश्र्यजनक लाभ होगा।

बुखार न होने की स्थिति में इसका एक चम्मच सेवन प्रतिदिन करें। यह चूर्ण किसी भी प्रकार की बीमारी चाहे वह स्वाइन फ्लू ही क्यों ना हो, उसे शरीर से दूर रखता है। इसके सेवन से शरीर से सारे रोगाणु-कीटाणु झर जाते हैं। रक्त एवं त्वचा संबंधी समस्त विकार दूर होते हैं।

गर्भवती महिला और कमजोर पाचन शक्ति के लोग विशेषज्ञ से पूछ कर ही इसका सेवन करें। शरीर से हर तरह का विकार निकालता है।

कितने सुरक्षित हैं कांटेक्ट लेंस ?

आज के दौर में एक बड़े पैमाने पर लोग कांटेक्ट लेंस का उपयोग करते हैं लेकिन इसी के साथ इनका रख रखाव करना भी एक अहम काम है जिसे न करने पर ये हमारी आंखों को भी हानि पहुंचा सकते हैं इसीलिए हर बार इस्तेमाल करने के बाद कांटेक्ट लैंस के केस को भी सफाई करना जरूरी होता है। अगर आप भी कांटेक्ट लेंस का प्रयोग करना चाहते हैं तो आपके लिए बेहद जरूरी है ये टिप्स

- कांटेक्ट लेंस का प्रिस्क्रिप्शन किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से ही लें। अच्छे परिणाम के लिए कांटेक्ट लेंस का आपकी आंखों पर फिट बैठना जरूरी है।
- रात में सोते समय, नहाते समय या स्विमिंग के दौरान कांटेक्ट लेंस पहनने से बचना चाहिए। डॉक्टर ने प्रिस्क्राइब किया है तो अलग बात है अन्यथा रात को कांटेक्ट लेंस पहनकर सोने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे आपके कॉर्निया को आवश्यक ऑक्सीजन प्राप्त नहीं हो पाती। फलस्वरूप संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, जिससे आंखों की रोशनी तक जा सकती है।
- कांटेक्ट लेंस इस्तेमाल करने से पहले सुगंध रहित साबुन से हाथ साफ करें। कांटेक्ट लेंस को रातभर मल्टीपरपज सॉल्यूशन में डालने से पहले लेंस की सतह को अंगुली से रगड़कर अच्छी तरह साफ करें।
- लेंस को केस में रखने के लिए हर बार फ्रेश सॉल्यूशन का इस्तेमाल करें। इस्तेमाल किए हुए सॉल्यूशन को पुनः प्रयोग करने से उसमें बैक्टीरिया पनपने की आशंका पैदा हो जाती है।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है।

ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते है। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी

ग्रिल्ड आलू सैंडविच

सामग्री

10-12 ब्रेड स्लाइस, 1 बड़ा आलू (उबला हुआ), 1 बड़ी हरी मिर्च (बारिक कटी हुई),1 छोटा प्याज (बारीक कटा हुआ), आधा कप पनीर (कद्दुकस किया), आधा चम्मच चाट मसाला,1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, नमक स्वादानुसार, बटर

विधि

सबसे पहले एक कटोरी में उबले आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें कटी हुई मिर्च,प्याज, पनीर, चाट मसाला, नमक, लाल मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब सभी ब्रेड स्लाइस में मक्खन को एक तरफ लगाते हुए, उसमें दूसरी तरफ आलू का तैयार मसाला बराबर मात्रा में रखते जाएं और उसके ऊपर से अन्य ब्रेड की स्लाइस से कवर कर दें। अब एक पैन में थोड़ा मक्खन डालें और सैंडविच को धीमी आंच पर सेकें। ऐसे ही दोनों साइड से सैंडविच को सेंकें। ऐसे ही सभी सैंडविच स्लाइस को मक्खन के साथ सेंकें। सैंडविच तैयार है। इसे अपनी पंसद चटनी के साथ सर्व करें।

नारियल के लड्डू

सामग्री

20 ग्राम बादाम (बारिक कटे हुए)
20 ग्राम काजू (बारिक कटे हुए)
500 ग्राम खोया
250 ग्राम नारियल(कद्दुकस किया हुआ)
150 ग्राम चीनी

विधि

सबसे पहले कड़ाही में बादाम और काजू डालकर 2-3 मिनट तक भून लें। अब एक और कड़ाही में खोया डालकर 5 मिनट तक पकाएं। पकाने के बाद इसमें कद्दुकस किया हुआ नारियल, चीनी, काजू, बादाम(भुने हुए) डालकर पकाएं। अब इस मिश्रण को थोड़ा ठंडा करके अपने हाथों से गोल-गोल लड्डू तैयार कर लें। लड्डू को कद्दुकस किए हुए नारियल के साथ रोल करें। नारियल के लड्डू तैयार हैं। आप चाहें तो इन्हें फ्रिज में रखकर बाद में भी खा सकते है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**